मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के साथ ही हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पंजाब की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। सुरक्षा के मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः27 अंकः 27 दिनांकः 07-01-2022 शुक्रवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

एम्स दिल्ली में न्यूरोसर्जरी के प्रोफेसर डां पीएस चंद्रा ने कहा कि देश में तेजी से बढ़ रहे कोरोना के मामले कुछ हफ्तों में घटने लगेंगे लेकिन सावधानी जरूरी है। हमें स्थिति खराब न होने की उम्मीद करते हुए खराब स्थिति तैयारी से निपटने की तैयारी करनी चाहिए।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक की जांच करेगी केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय ने सुरक्षा सचिव की अध्यक्षता में बनाई समिति

नई दिल्ली । केंद्र सरकार पंजाब में प्रधानमंत्री के काफिले से साथ हुई सुरक्षा में चूक के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के मूड में है। इसकी जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तीन सदस्यीय समिति गठित की है। इसकी अध्यक्षता सचिव (सुरक्षा) सुधीर सक्सेना करेंगे, जबकि खुफिया ब्यूरो (आइबी) के संयुक्त निदेशक बलबीर सिंह और स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के आइजी एस. सुरेश इसके सदस्य होंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में सभी मंत्रियों ने सुरक्षा चूक की घटना की निंदा करते हुए दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जरूरत बताई।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक के बाद गुरुवार को हुई कैबिनेट की पहली बैठक में सभी मंत्रियों ने इस मामले को गंभीरता से लेने की जरूरत बताई। कुछ मंत्रियों का कहना था कि इस मामले में की जाने वाली कार्रवाई एक नजीर बननी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश नहीं कर सके। बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का कहना था कि इस मामले में जल्द ही कड़े और बड़े फैसले लिए जाएंगे।

गृह मंत्रालय पहले ही पूरे मामले में पंजाब सरकार से रिपोर्ट मांग चुका है। पूरी जानकारी जुटाने के बाद तथ्यों के आधार पर गृह मंत्रालय उचित कार्रवाई करेगा, लेकिन उन्होंने कड़े और बड़े कदमों के बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। अनुराग ठाकुर के अनुसार, प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक को लेकर देशभर में लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं और इनमें से कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। उन्होंने न्यायपालिका पर भरोसा जताते हुए कहा कि ऐसे मामले में निश्चित रूप से जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के साथ भी मुलाकात की और उन्हें सुरक्षा में चूक की पूरी घटना के बारे में बताया। बाद में प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर राष्ट्रपति को अपनी शक्ति को स्रोत बताते हुए उनकी शुभकामना और उचता के लिए आभार प्रधानमंत्री के फिरोजपुर दौरे के दौरान सुरक्षा में चूक की जांच के लिए पंजाब सरकार ने दो सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के पूर्व कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश मेहताब सिंह गिल और अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अनुराग वर्मा की सदस्यता वाली इस समिति को तीन दिन के अंदर रिपोर्ट देने को कहा गया है। समिति गठित होते ही जस्टिस गिल ने पुलिस महानिदेशक सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय समेत सुरक्षा से जुड़े सभी पुलिस अफसरों को सवाल भेज दिए। लेकिन मामले की संवेदनशीलता के मद्देनजर उन्होंने ज्यादा कुछ बताने से मना कर दिया।

लोकसभा और विधानसभा चुनावों में अब ज्यादा खर्च कर सकेंगे प्रत्याशी, चुनाव आयोग ने व्यय सीमा में किया इजाफा

नई दिल्ली उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले ही चुनाव आयोग ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के खर्च की सीमा को बढ़ा दिया है। इसके तहत लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी अब 70 लाख की जगह 95 लाख रुपए तक खर्च कर सकेंगे। जबकि विधानसभा में वह 28 लाख की जगह अब 40 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे।

हालांकि गोवा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में जहां लोकसभा चुनावों में प्रत्याशियों के खर्च की सीमा अब तक 54 लाख रुपए थी, वह भी अब 75 लाख रुपए खर्च कर सकेंगे। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों की मांगों को देखते हुए चुनावी खर्च की सीमा में यह बढ़ोत्तरी की है। आयोग के मुताबिक 2014 के मुकाबले सभी राज्यों में मतदाताओं की संख्या भी बढ़ी है। साथ ही मंहगाई में बढ़ोत्तरी हुई है। इसे देखते यह यह फैसला लिया गया है। चुनाव आयोग ने इसे लेकर एक उच्च स्तरीय कमेटी भी गठित की थी, जिसकी सिफारिश के बाद यह कदम उठाया गया है।

आयोग ने इस संबंध में कानून मंत्रालय ने अधिसूचना जारी करने की सिफारिश की थी, जिसके बाद मंत्रालय ने गुरूवार को चुनाव खर्च में बढ़ोत्तरी की सीमा को अधिसूचित कर दिया है। खासबात यह चुनाव खर्च की सीमा में की गई यह बढ़ोत्तरी आने वाले दिनों में होने वाले सभी चुनावों में लागू होगी। आयोग ने मुताबिक 2014 में खर्च की सीमा को बढ़ाया गया था।

विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से प्रत्याशियों के खर्च में की गई बढ़ोत्तरी की इस अधिसूचना के मुताबिक गोवा सहित नार्थ-ईस्ट के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को छोड़ दें, तो इन सभी राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के खर्च की सीमा 28 से बढ़ाकर 40 लाख कर दी गई है।

महाराष्ट्र में 36 हजार, दिल्ली में 15 हजार से ज्यादा नए केस

नई दिल्ली । भारत में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी बढ़ रहे हैं। महाराष्ट्र में आज 36 हजार से ज्यादा और दिल्ली में 15 हजार से ज्यादा नए मामले मिले। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक समेत अन्य राज्यों में भी कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज एक दिन में ओमिक्रोन वैरिएंट के सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार भारत में गुरुवार को ओमिक्रोन वैरिएंट के एक दिन में सर्वाधिक 495 मामले सामने आए। देश में नए वैरिएंट के कुल मामले 2,630 हो गए हैं। बीते 24 घंटे में कोरोना के कुल 90 हजार 928 मामले सामने आए और 325 लोगों की मौत हो गई। इससे एक दिन पहले 58 हजार 097 ममाले सामने आए थे। देश में एक्टिव केस की संख्या बढ़कर दो लाख 85 हजार 401 हो गई है। मरने वालों की कुल संख्या चार लाख 82 हजार 876 हो गई है। कुल अब तक तीन करोड़ 51 लाख नौ हजार 286 मामले सामने आ गए हैं।

महाराष्ट्र में आज कोरोना के 36,265 नए मामले सामने आए। 13 लोगों की मौतें हुईं और 8,907 डिस्चार्ज हुए। राज्य में आज ओमिक्रोन के 79 नए मामले सामने आए। कुल 876 मामले इसके सामने आ चुके हैं। इनमें से 381 ठीक हो गए हैं। कोरोना के सक्रिय मामले बढ़कर 1,14,847 हो गए हैं। देश में ओमिक्रोन वैरिएंट के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आ रहे है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने गुरुवार को कहा कि अगर मेडिकल आक्सीजन की मांग 800 मीट्रिक टन / दिन से अधिक हो जाती है, तो लाकडाउन जैसे प्रतिबंध लगाने पर विचार किया जाएगा। विभाग ने आगे कहा कि अस्पतालों में 40 प्रतिशत से अधिक बेड अगर कोरोना के मरीजों से भर जाते हैं, तो लाकडाउन प्रतिबंधों पर विचार किया जाएगा।

मुंबई में आज कोविड के 20,181 नए मामले सामने आए। सक्रिय मामलों का आंकड़ा 79,260 है। आज पाजिटिविटी रेट 29.90 फीसद है। टेस्ट किए गए 67 हजार सैंपल में से 20,181 सैंपल पाजिटिव आए हैं। मुंबई के धारावी क्षेत्र में 107 नए मामले रिपोर्ट किए गए, इस क्षेत्र में सक्रिय मामलों का आंकड़ा 7,626 है। बृहन्मुंबई नगर निगम (ँश्ण) ने इसकी जानकारी दी है। दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 15 हजार 097 मामले सामने आए हैं। छह लोगों की मौत हो गई है। एक्टिव केस 31 हजार 498 हो गया है। पाजिटिविटी रेट 15.34 फीसद हो गया है। बता दें कि दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने जानकारी दी थी कि राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को कोरोना के 14 हजार मामले सामने आ सकते हैं और डेली पाजिटिविटी रेट लगभग 14 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। एक दिन पहले यहां 10,665 नए मामले सामने आए थे।

बंगाल में कोरोना संक्रमण के मामलों में गुरुवार को लगातार आठवें दिन भारी उछाल देखा गया। पिछले सभी रिकार्ड को तोड़ते हुए पहली बार 15 हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए। राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा शाम में जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में कोविड-19 के रिकार्ड 15,421 नए मामले आए और 19 मरीजों की मौत भी हुई है। वहीं, कुल मामलों में आधे से ज्यादा यानी 6,569 नए मामले अकेले राजधानी कोलकाता से हैं। हरियाणा में कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार को ओमिक्रोन के आठ नए मामलों सहित प्रदेश में 2678 संक्रमित मिले। इस दौरान 801 संक्रमित ठीक भी हुए, जबकि कैथल में एक मरीज ने दम तोड़ दिया। संक्रमितों में मुख्यमंत्री कार्यालय का अधिकारी भी शामिल है, जो ओमिक्रोन से संक्रमित पाया गया है। प्रदेश में ओमिक्रोन के 114 मामले मिल चुके हैं। इनमें 83 रोगी ठीक हो चुके हैं।

कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 5,031 मामले सामने आए। एक मरीज की मौत भी हुई है। जम्मू कश्मीर में 349 नए मामले सामने आए हैं। जम्मू से 202 और कश्मीर में 147 नए मामले दर्ज़ किए गए हैं। 116 रिकवरी भी दर्ज़ की गई। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में अब सक्रिय मामलों की संख्या 2049 हैं। कोरोना के कारण पुडुचेरी में पाबंदियां 31 जनवरी तक लगा दी गई हैं। इनमें माल / बाजारों को सिर्फ 50 फीसद क्षमता के साथ संचालन की अनुमति होगी। इंट्रा और इंटर डिस्ट्रिक्ट पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सिनेमा, जिम / सैलून / पार्लर / आडिटोरियम में भी 50ङ्क्षमता के साथ संचालन अनुमति होगी। पुडुचेरी सरकार ने इसकी जानकारी दी है। केरल में आज 4649 नए कोविड मामले सामने आए। संक्रमित लोगों में 17 मौतें और 2180 रिकवरी भी दर्ज़ की गई। राज्य में सक्रिय मामले 25,157 हैं। केरल में ओमिक्रोन के 50 और मामलों की पुष्टि हुई। 45 कम जोखिम वाले देशों से और 5 उच्च जोखिम वाले देशों से से आए लोग संक्रमित मिले हैं। कांटैक्ट ट्रेसिंग के माध्यम से कोई मामला दर्ज नहीं किया गया। राज्य में ओमिक्रोन के मामले अब 280 हो गए हैं। केरल स्वास्थ्य विभाग ने इसकी जानकारी दी है।

इटली से एयरइंडिया के विमान से अमृतसर पहुंचे 125 यात्री कोरोना संक्रमित, एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

जालंधर (ईएमएस)। पंजाब में कोरोना फिर पैर पसार रहा हैं,तब ओमिक्रोन का खतरा भी बढ़ गया है।गुरुवार को अमृतसर से चौंकाने वाली खबर आई है।श्री गुरु रामदास अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एयर इंडिया की फ्लाइट से इटली से लौटे 125 यात्री कोरोना संक्रमित निकले हैं।कुल 180 यात्री यहां लैंड हुए थे। सभी संक्रमितों को आइसोलेट किया गया है। हालांकि इतनी बड़ी संख्या में एक साथ यात्रियों के पाजिटिव मिलने से कुछ देर के लिए एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

बाद में सभी संक्रमित यात्रियों को एंबुलेंस की मदद से आइसोलेशन में पहुंचाया गया। उनके सैंपल लेकर ओमिक्रोन जांच के लिए भेज दिए गए हैं। इधर, अमृतसर डिप्टी कमिश्नर गुरप्रीत सिंह के कोरोना पाजिटिव होने के बाद डीसी कार्यालय के कर्मचारी भी संक्रमित हुए हैं। इससे पहले, बुधवार को पंजाब में ओमिक्रोन के चार नए केस मिले,तब कुल 1811 लोगों की रिपोर्ट पाजिटिव आई है। कोरोना के कारण चार लोगों की मौत भी हुई। इनमें जालंधर का एक जिम संचालक भी शामिल है। कोरोना पाजिटिविटी दर भी बढ़कर 7.95 प्रतिशत हो गई है। बुधवार को राज्यसभा सदस्य सुखदेव सिंह ढींडसा, पूर्वमंत्री मनोरंजन कालिया, जिला अमृतसर के डीसी गुरप्रीत सिंह खैहरा व निगम कमिश्नर संदीप रिषी, पटियाला के डीसी संदीप हंस, एडीसी गुरप्रीत सिंह थिंद व मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल डा. हरजिंदर सिंह की रिपोर्ट भी पाजिटिव आई है। डीसी अमृतसर को वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं।

राज्य में 27 डाक्टर और तीन सरकारी स्कूलों के 22 अध्यापक भी पाजिटिव मिले हैं। सेहत विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में जिला पटियाला में सबसे ज्यादा 598, मोहाली में 300, लुधियाना में 203, जालंधर में 183, पठानकोट में 163 और अमृतसर में 105 नए केस सामने आए। जालंधर, पठानकोट, बरनाला और मुक्तसर में एक-एक कोरोना मरीज की मौत हो गई। राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4434 हो गई है। इनमें से 53 मरीज आक्सीजन और दो वेंटीलेटर सपोर्ट पर हैं।

फारूक अब्दुल्ला, आजाद, महबूबा और उमर की हट सकती हैं, एसएसजी सुरक्षा

श्रीनगर (ईएमएस)। पूर्व सीएम और केंद्रीय मंत्री फारूक अब्दुल्ला और गुलाम नबी आजाद सहित जम्मू-कश्मीर के चार पूर्व मुख्यमंत्रियों को मिल रही 'विशेष सुरक्षा समूह (एसएसजी) की सुरक्षा के हटने के आसार हैं, क्योंकि केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासन ने 2000 में गठित विशिष्ट इकाई को बंद करने का फैसला किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। यह कदम केंद्र द्वारा 31 मार्च, 2020 को अधिसूचना-जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (राज्य कानूनों का संयोजन) आदेश, 2020 - जारी करने के करीब 19 महीने बाद उठाया गया है। आदेश में पूर्व मुख्यमंत्रियों और उनके परिवारों को एसएसजी सुरक्षा मुहैया करने संबंधित एक खंड को हटाते हुए तत्कालीन जम्मू और कश्मीर सरकार के विशेष सुरक्षा समूह अधिनियम में संशोधन किया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय सुरक्षा समीक्षा समन्वय समिति द्वारा लिया गया था, जो जम्मू-कश्मीर में प्रमुख नेताओं को खतरे के आसार पर गौर करने वाला समूह है। उन्होंने कहा कि बल के कर्मियों की संख्या को न्यूनतम कर एसएसजी को सही आकार दिया जाएगा और इसके प्रमुख, पुलिस अधीक्षक के पद से नीचे के कोई अधिकारी होगा। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि एसएसजी के आकार को कम करने पर पुनः विचार हो रहा है, क्योंकि पुलिस बल के कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इससे विशिष्ट बल की तैयारियों में बाधा आ सकती है। एसएसजी को अब कार्यरत मुख्यमंत्रियों और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाएगी। इस निर्णय से फारूक अब्दुल्ला, गुलाम नबी आजाद और दो अन्य पूर्व मुख्यमंत्रियों उमर और महबूबा मुफ्ती की सुरक्षा इस समय में हट जाएगी।

आजाद के अलावा सभी पूर्व मुख्यमंत्री श्रीनगर में रहते हैं। हालांकि फारूक और आजाद को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड, जिस ब्लैक कैट कमांडो भी कहा जाता है, का सुरक्षा कवर मिलता रहेगा क्योंकि उन्हें जेड-प्लस सुरक्षा मिली हुई है। उमर और महबूबा को जम्मू-कश्मीर में जेड-प्लस सुरक्षा मिलती रहेगी, लेकिन केंद्रशासित प्रदेश के बाहर उनकी सुरक्षा कम हो जाने का अनुमान है। अधिकारियों ने कहा कि नेताओं को जिला पुलिस के साथ-साथ सुरक्षा प्रकोष्ठ, खतरे के आकलन के आधार पर सुरक्षा मुहैया कराएगा। उन्होंने कहा कि शेष एसएसजी कर्मियों को अन्य प्रकोष्ठों में तैनात किए जाने की संभावना है, ताकि पुलिस बल उनके प्रशिक्षण और ज्ञान का बेहतर इस्तेमाल कर सके। वाहन और अन्य उपकरण जम्मू-कश्मीर पुलिस के सुरक्षा प्रकोष्ठ को दिए जाएंगे।

सहानुभूति बटोरने का स्टंट पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक : राकेश टिकैत

फिरोजपुर (ईएमएस)। पंजाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी घटना को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं। वहीं, अब इस घटनाक्रम पर किसान नेता राकेश टिकैत का विवादित बयान सामने आया है। राकेश टिकैत ने इस घटनाक्रम को स्टंट बताया और कहा कि यह जनता की सहानुभूति हासिल करने का सस्ता तरीका खोजने की कोशिश है। पीएम नरेंद्र मोदी का फिरोजपुर दौरा पूर्व प्रस्तावित था। लेकिन वे प्रदर्शनकारियों के रास्ता रोके जाने के कारण जनसभा तक नहीं पहुंच पाए और वापस लौट गए। इस दौरान पीएम मोदी के साथ पंजाब में सुरक्षा को लेकर भारी चूक का मामला सामने आया है। यहां तक कि पीएम मोदी ने बठिंडा एयरपोर्ट पहुंचकर घटनाक्रम पर नाराजगी जाहिर की और एयरपोर्ट अधिकारियों से कहा कि अपने सीएम को थैंक्स कहना कि मैं यहां तक जिंदा लौट आया। इस घटना को लेकर पंजाब की चरणजीत सिंह चन्नी सरकार की काफी किरकिरी हो रही है। अब मामले में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत का बयान सामने आया है। राकेश टिकैत का कहना है, ठजब पीएम पंजाब आ रहे थे तो उन्होंने सुरक्षा को लेकर क्या इंतजाम किए थे? उनके सुरक्षित लौटने की खबर से साफ हो जाता है कि यह एक स्टंट था। यह जनता की सहानुभूति हासिल करने का सस्ता तरीका खोजने की कोशिश थी। गौरतलब है कि पीएम मोदी फिरोजपुर रैली में 42,750 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का ऐलान करने जा रहे थे, लेकिन उनका एक काफिला फ्लाईओवर पर 20 मिनट तक फंसा रहा। यह घटना किसानों के एक संगठन की ओर से प्रदर्शन के चलते हुई। पीएम मोदी के काफिले के फंसने को सुरक्षा में गंभीर चूक का मामला माना गया और इसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस की पंजाब सरकार पर तीखा हमला बोला। इससे पहले गुरुवार को सुबह यह मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंच गया, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई होने वाली है। इसके अलावा पंजाब सरकार की ओर से सुरक्षा में चूक की जांच के लिए एक हाईलेवल कमिटी के गठन का भी फैसला लिया गया है।

पैंगोंस सो झील पर चीन ने विवादास्पद हिस्से पर पुल बनाया - विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (ईएमएस)। पैंगोंस सो झील पर चीन के पुल बनाने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि चीन जहां पर पुल बना रहा है वो इलाका पिछले 60 सालों से चीन के अवैध कब्जे में है। उन्होंने कहा, ठ भारत इस पर करीबी नजर रखे हुए है और ऐसे अवैध कब्जे को कभी नहीं माना है। पिछले सालों में सरकार ने इस बात का खयाल रखा है कि हमारी सुरक्षा जरूरतें पूरी तरह से ध्यान में रखी जाएं। साथ ही पिछले सात सालों में इस इलाके के लिए बजट में खासी बढ़ोतरी की गई - इलाके में इंफ्रास्ट्रकचर - जैसे पहले से कहीं ज्यादा सड़कें, पुल वगैरह बनाई है। इससे यहां लोगों को काफी कनेक्टिविटी मिली है और सेना को मदद भी। सरकार ये करती रहेगी।ठ

अरुणाचल के इलाकों को चीन के नाम देने पर बागची ने कहा, ठहमने ये रिपोर्ट देखी है। चीन के निराधार दावों को बल देने की ये हास्यास्पद कोशिश है। उस वक्त भी हमने बयान दिया था टूटिंग को डोडेंग या सियोम नदी को शीयूमू या किबिथू या डाबा कहने से ये तथ्य बदल नहीं जाएगा कि अरुणाचल हमेशा से भारत का अभिन्न अंग रहा है और रहेगा। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसी हरकतें करने के बजाय चीन पश्चिमी सेक्टर में सीमा विवाद सुलझाने के लिए हमारे साथ सकरात्मक रूप से काम करे।ठ

दिल्ली में चीन के दूतावास के पोलिटिकल काउंसलर के तिब्बत के कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले सांसदों को चिट्ठी लिखने पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, ठउस चिट्ठी के सुर और तरीका ठीक नहीं था। चीन को समझना चाहिए कि भारत एक लोकतंत्र है और अपने विश्वास और राय के मुताबिक नेता ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि एक सामान्य गतिविधि को चीन बेवजह तूल ना दे और हमारे द्विपक्षीय रिश्ते को और ना उलझाए।

जापान की तरफ से भारत को अनूठा तोहफा, रामायण द लिजिंड ऑफ प्रिंस राम होगी रिलीज

मुंबई (ईएमएस)।रामायण लगभग सभी बच्चो ने अपने जीवन में एक बार टीवी या इंटरनेट के माध्यम से जरूर देखी होगी। लेकिन जापान की तरफ से इसके एनिमे वर्जन के द्वारा भारत को एक अनूठा गिप्ट प्राप्त होने जा रहा है। दरअसल, 2022 का साल भारत और जापान के लिए बहुत ही खास रहने वाला है।दोनों देश अपने राजनायिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है।जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भारत के दौरे पर आने वाले हैं। कई और जापान के मंत्री भी भारत के दौरे पर आकर कई मीटिंग भी होगी। बहुत सारे सौदे भी दोनों देशों के बीच देखने को मिल सकते हैं।

जापान का फिल्म फेस्टिवल भी भारत में होगा। इसी फिल्म फेस्टिवल में एक फिल्म है जिसका इंतजार सभी लोग कर रहे हैं। जिसका नाम हैं, रामायण द लिजिंड ऑफ प्रिंस राम।एनिमे फिल्म को रिमास्टर किया जाएगा। मतलब 4 के में परिवर्तित कर फिल्म की गुणवत्ता में सुधार होगा। जिसके बाद फिल्म को भारत और जापान दोनों देशों में रिलीज किया जाएगा।बता दें कि ये फिल्म 1992 में बनी थी।लेकिन तब से लेकर आज तक ये कभी भी सिनेमाघरों में भारत में रिलीज नहीं हो सकी। ऐसा होने से हिन्दू धर्म की बाते काफी अधिक आसानी से युवा पीढी तक एक मॉडर्न रूप में पहुंच पाएगी।

राष्ट्रपति कोविंद ने पीएम की सुरक्षा चूक पर चिंता जाहिर की, पीएम ने मिलकर दी पूरी जानकारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब के बठिंडा से फिरोजपुर जाते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में हुई चूक का मामला तूल पकड़ रहा है।बीजेपी मामले को लेकर पंजाब सरकार पर हमलावर है।बीजेपी की ओर से पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।वहीं पंजाब सरकार ने भी मामले में उच्च स्तरीय जांच कमेटी बना दी है।पीएम मोदी की सुरक्षा का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह की ओर से गुरुवार को यह मामला चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एनवी रमण की बेंच के समक्ष पेश किया गया है। कहा जा रहा है कि सीजेआई ने मामले पर शुक्रवार को सुनवाई का भरोसा दिया है। वहीं राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के समय सुरक्षा में हुई चूक पर चिंता जाहिर की है। पीएम मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रपति से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन में हुई मुलाकात के दौरान पीएम ने राष्ट्रपति को पंजाब में हुई घटना की पूरी जानकारी दी।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी पंजाब में सड़क के रास्ते जाते समय सुरक्षा में गंभीर चूक होने के कारण फ्लाईओवर पर 20 मिनट तक फंसे रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने रास्ते को अवरुद्ध कर दिया था।इसके चलते, उनके काफिले ने लौटने का फैसला किया था।केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पंजाब सरकार से इस चूक के लिए एक रिपोर्ट मांगी है और इसके लिए जिम्मेदार रहे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को कहा है।

सिद्धू का बयान, प्रधानमंत्री को 15 मिनट रुकने पर हाय तौबा मचा दिया

बरनाला (ईएमएस)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे के संबंध में नवजोत सिंह सिद्धू ने बयान दिया है। सिद्धू ने कहा कि प्रधानमंत्री की रैली में सिर्फ 500 लोग थे, जबकि कुर्सियां 70 हजार लगी थी। कैप्टन अमरिंदर सिंह इतने बेशर्म है कि वह खाली कुर्सियों को ही संबोधन करते रहे। पंजाब में भाजपा फेल हो चुकी है। चुनावों के समय इनके द्वारा पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश की जाती है। कहीं बम धमाके, कहीं बेअदबी की कोशिश की जाती है। प्रधानमंत्री को 15 मिनट क्या रुकना पड़ गया हाय तौबा मचा दी गई पर किसान डेढ़ साल बारिश, तूफान, आंधी धूप में रहा, उस समय वह कुछ नहीं बोले।

बुल्ली बाई मोबाइल ऐप मामले में दिल्ली पुलिस की ने मुख्य आरोपी को असम से पकड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। मुस्लिम महिलाओं को अपमानित करने वाले मोबाइल ऐप बुल्ली बाई से जुड़े मामले में दिल्ली पुलिस गुरुवार को असम से एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। स्पेशल सेल ने जानकारी दी है कि यह कार्रवाई इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटीजिक ऑपरेशन्स यूनिट (आईएफएसओ) ने की है। पुलिस आरोपी को लेकर दोपहर 3.30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंच रही है। खबर है कि इस ऐप में आरोपी मुस्लिम महिलाओं को अपमानजनक तरीके से दिखा रहे थे। स्पेशल ने बताया कि गिटहब पर बुल्ली बाई तैयार करने वाला और मुख्य साजिशकर्ता और इस ऐप का ट्विटर खाताधारक को आईएफएसओ ने गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने बुधवार को कहा कि 'बुल्ली बाई' ऐप के सिलसिले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें मुस्लिम महिलाओं की तस्वीर ऑनलाइन पोस्ट कर उन्हें बदनाम किया जा रहा था। पुलिस ने यह भी दावा किया कि ऐसा लगता है कि आरोपियों ने अपने ट्विटर हैंडल में सिख समुदाय से संबंधित नामों का इस्तेमाल किया था, जिससे कि लोगों को गुमराह किया जा सके और आरोपियों की पहचान न हो पाए।

इस संबंध में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यहां बताया कि शहर पुलिस की साइबर इकाई द्वारा उत्तराखंड से गिरफ्तार की गई 18 वर्षीय महिला श्वेता सिंह मुख्य आरोपी है, जिसने ऐप का ट्विटर हैंडल बनाया था। उन्होंने दावा किया कि सिंह ने 12वीं कक्षा की परीक्षा उत्तीर्ण की है और वह इंजीनियरिंग करने की योजना बना रही थी। इससे पहले दिन में, मुंबई के पुलिस आयुक्त हेमंत नगराले ने संवाददाताओं से कहा कि इस मामले में कुछ और लोगों के शामिल होने की आशंका है। मामले में बुधवार तड़के उत्तराखंड से मयंक रावल (21) को गिरफ्तार किया गया। श्वेता सिंह को मंगलवार को उत्तराखंड के ही रुद्रपुर से गिरफ्तार किया गया था, जबकि इंजीनियरिंग के छात्र विशाल कुमार झा (21) को सोमवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया था। नगराले ने कहा कि मुंबई पुलिस ने दो जनवरी को ऐप के बारे में शिकायत मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज की, जिसके बाद जांचकर्ताओं ने ऐप और संबंधित ट्विटर हैंडल का तकनीकी विश्लेषण शुरू किया।

उन्होंने कहा, 'तकनीकी विश्लेषण के दौरान, हमने ऐप के अनुयायियों के बारे में जानकारी एकत्र की और आरोपी की तलाश शुरू की।' नगराले ने दावा किया कि बेंगलुरु निवासी विशाल कुमार झा, सिविल इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष का छात्र है, जो हैंडल के पांच फॉलोअर में से एक था। ऐप को ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म गिटहब पर होस्ट किया गया था। बाद में इसे प्लेटफॉर्म ने ब्लॉक कर दिया। असल में यह कोई वास्तविक 'नीलामी' या 'बिक्री' नहीं थी। ऐप का उद्देश्य लक्षित महिलाओं को अपमानित करना और डराना था, जिनमें से कई सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक मामले को लेकर सोनिया गांधी को ब्रीफ किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक मामले को लेकर कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी को ब्रीफ किया है। मोदी बुधवार को हुसैनीवाला में राष्ट्रीय शहीद स्मारक जाने के लिए बठिंडा पहुंचे थे, उन्हें हेलीकॉप्टर से कार्यक्रम स्थल पर ले जाया जाना था, लेकिन बारिश और खराब दृश्यता के कारण, उन्होंने मौसम साफ होने के लिए लगभग 20 मिनट तक इंतजार किया। गृह मंत्रालय ने बताया, 'जब मौसम में सुधार नहीं हुआ तो यह फैसला लिया गया कि वह सड़क मार्ग से राष्ट्रीय शहीद स्मारक का दौरा करेंगे, जिसमें दो घंटे से अधिक समय लगेगा। डीजीपी पंजाब पुलिस की ओर से जरूरी सुरक्षा इंतजाम की पुष्टि के बाद सड़क मार्ग से उनका काफिला आगे बढ़ा था।जब पीएम का काफिला एक फ्लाईओवर पर पहुंचा, तो प्रदर्शनकारी किसानों ने सड़क को बंद कर रखा था। गृह मंत्रालय ने कहा, 'प्रधानमंत्री 15-20 मिनट तक फ्लाईओवर पर फंसे रहे। यह प्रधानमंत्री की सुरक्षा में एक बड़ी चूक थी।'

पीएम की सुरक्षा जिम्मेदारी संभालने वाली एसपीजी गृह मंत्रालय के दायरे में

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने बीजेपी के उन नेताओं पर पलटवार किया है, जो पीएम नरेन्द्र मोदी के पंजाब दौरे पर सुरक्षा में चूक का आरोप लगा कर पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि पीएम की सुरक्षा में किसी तरह की चूक हुई है तो इसका जवाब केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देना चाहिए। क्योंकि पीएम की सुरक्षा जिम्मेदारी संभालने वाली एसपीजी गृह मंत्रालय के दायरे में आती है. पटोले ने कहा कि पीएम के किसी भी दौरे के 15 दिनों पहले सुरक्षा के सभी इंतजाम की समीक्षा की जाती है. ऐसे में कोई चूक हुई है तो यह पूरी तरह से केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जिम्मेदारी बनती है. पटोले इस बारे में गुरुवार को मुंबई के तिलक भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। नाना पटोले ने आगे कहा कि भाजपा शासित राज्य में किसानों की समस्याओं, बेरोजगारी, महंगाई, गिरती अर्थव्यवस्था, आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों, दलितों पर हो रहे अत्याचारों के कारण लोगों में भाजपा के खिलाफ भारी रोष है. पंजाब में किसान तीन काले कृषि कानूनों को लेकर एक साल से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इस आंदोलन के दौरान 700 से अधिक किसान की मौत हो गई. नतीजतन, पंजाब में पीएम की सभा में 500 लोग भी शामिल नहीं हुए। इससे ध्यान हटाने के लिए प्रधानमंत्री अपनी फ्लाइट छोड़कर सड़क मार्ग से चले गए थे। मूल रूप से, वे सभा स्थल पर नहीं जाना चाहते थे. इसलिए रूप बदलने में माहिर प्रधानमंत्री ने कल नया रूप दिखाकर नौटंकी कर दी। इस मामले को पंजाब के मुख्यमंत्री द्वारा सामने लाया गया है. पटोले ने कहा कि पंजाब सरकार की जांच में सारे मामले का दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा. उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की जांच में प्रधानमंत्री और भाजपा का असली चेहरा लोगों के सामने आ जाएगा. पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों के विश्वास के साथ धोखा किया है। किसानों ने उसका जवाब देने का काम किया है। किसानों को आतंकवादी और आंदोलन जीवी बताते हुए प्रधानमंत्री को किसानों की सड़कों पर पटक दिया था। लेकिन किसानों ने अपनी लड़ाई जारी रखी और तानाशाह प्रधानमंत्री का अहंकार मिट गया।

कार्टून कोना

जन हितैषी

स्थिति हाथ बाहर

भारत में कोरोना के नए मरीजों के मिलने की रफ्तार तेज होती जा रही है। कोरोना के सक्रिय मामलों ने भी सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। बढ़ते कोविड-19 मामलों के बीच कई राज्यों में आवश्यक सेवाओं को छोड़कर रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक रात का कर्फ्यू लगा दिया गया है। दिल्ली में शनिवार और रविवार दो दिन के कर्फ्यू का ऐलान किया गया है, जबकि मुंबई में लॉकडाउन की बात होने लगी है। देश में जब कोरोना का संक्रमण पस्त पड़ रहा था तभी ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों ने एक बार नींद उड़ा दी है। ओमिक्रॉन के रोजाना बढ़ते मामले उन दिनों की याद ताजा कर रहे हैं जब पिछले साल देश में इसी तरह कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने लगे थे। ज्यादा चिंता की बात इसलिए भी है कि विषाणु का यह नया रूप कोरोना के पिछले रूपों के मुकाबले ज्यादा तेजी से फैलने वाला बताया जा रहा है। महामारी विशेषज्ञों का कहना है कि यह डेल्टा जैसे रूप की तुलना में तीन से पांच गुना ज्यादा तेजी से फैलने वाला विषाणु है। जाहिर है, जैसे-जैसे इसका दायरा बढ़ेगा, संक्रमितों की संख्या भी तेजी से बढ़ेगी। यह आशंका तो व्यक्त की ही जा रही है कि जनवरी के मध्य तक ओमिक्रॉन के करीब डेढ़ लाख मामले रोजाना आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि अगर जरा भी ढिलाई या लापरवाही बरती तो यह विषाणु कहर बरपाने में देर नहीं लगाने वाला। ओमिक्रॉन चिंता का कारण इसलिए भी बन गया है कि अब तक इसके ज्यादातर मामले महाराष्ट्र और दिल्ली में मिले हैं। हालांकि कर्नाटक, तेलंगाना और गुजरात में भी मामले कम नहीं हैं। जिन राज्यों में अभी यह आंकड़ा बीस से कम है, उन्हें भी इसे मामूली मान कर नहीं चलना चाहिए। यह नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना विषाणु के डेल्टा स्वरूप ने भी इसी तरह लोगों को चपेट में लिया था। डेल्टा स्वरूप ब्रिटेन से भारत में आया था। भारत में ओमिक्रॉन के अब तक जितने मामले सामने आए हैं उनमें से ज्यादातर लोग दूसरे देशों से भारत में आए हैं। भारत ने पिछले पौने दो साल में महामारी का भयानक मंजर देखा है। इस साल अप्रैल-मई के दौरान महामारी की दूसरी लहर ने जो कहर बरपाया, उससे सबक लेने की जरूरत है। लेकिन देखने में यही आ रहा है कि हम अब भी लापरवाह बने हुए हैं। कोरोना से बचाव के लिए जरूरी उपायों को छोड़ दिया है। सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नहीं लगाने वालों की तादाद खतरे को और बढ़ा रही है। आने वाले महीनों में पांच राज्यों में चुनाव भी हैं। चुनाव सभाओं और रैलियों में जिस तरह से भीड़ उमड़ रही है, उसे देख कर तो लगता है कि न तो राजनीतिक दलों को ही महामारी की तीसरी लहर को लेकर कोई जिम्मेदारी और समझ का भाव है न ही लोगों को कोई चिंता है। कहने को केंद्र सरकार ने ओमिक्रॉन के खतरे से निपटने के लिए राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं। लेकिन अब तक का अनुभव यही बताता है कि लोग लापरवाही बरतने से बाज नहीं आते। ओमिक्रॉन से बचाव के लिए जनसामान्य को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

भ्रम व दोहरेपन के बीच फिर कोरोना की दहशत

स्वास्थ्य वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों के अनुसार कोरोना की तीसरी लहर विश्वव्यापी स्तर पर आ चुकी है। अमेरिका जैसे साधन व सुविधा संपन्न देश में एक ही दिन में दस लाख से अधिक के दर से कोरोना के नये मामले सामने आने लगे हैं। इसके विश्वव्यापी प्रसार को नियंत्रित करने हेतु पूरे विश्व की अब तक हज़ारों उड़ानें स्थगित की जा चुकी हैं। भारत में भी कोरोना व ओमीक्रोन के तेज़ी से बढ़ते प्रभाव के मद्देनज़र आवश्यकतानुसार राज्य स्तर पर अलग अलग तरह के फ़ैसले लिये जा रहे हैं। भारत में गत एक सप्ताह में लगभग तीन गुना तेज़ी से संक्रमण फैल रहा है। सरकार व प्रशासन द्वारा एक बार फिर जनता को कोरोना गाईड लाइंस का सख़्ती से पालन करने की चेतावनी दी जा रही है। इनमें वही दो गज़ की दूरी-मास्क है ज़रूरी का सबसे अधिक पाठ पढ़ाया जा रहा है। कई जगहों से तो यह ख़बरें कोरोना की प्रथम व द्वितीय लहर में भी आई थीं और फिर आने लगी हैं कि मास्क न लगाने पर आम लोगों से जुर्माना वसूला जा रहा है। परन्तु मास्क लगाने अथवा न लगाने को लेकर अभी भी आम लोगों में भ्रम बना हुआ है। तमाम लोग मास्क लगाने में असहज महसूस करते हैं। ख़ासकर सांस फूलने व दमा जैसे मर्ज़ के लोगों के लिये तो मास्क लगा पाना बिल्कुल ही संभव नहीं हो पाता। तमाम स्वस्थ लोग भी मास्क लगाने की थ्योरी को पचा नहीं पाते। यहाँ तक कि डॉक्टर्स का भी एक वर्ग ऐसा है जो मास्क लगाकर कोरोना से बचाव करने जैसी थ्योरी से सहमत नहीं है। उनका मानना है कि मास्क लगाने वाला व्यक्ति साँस द्वारा अपनी ही छोड़ी गयी कार्बन डाई ऑक्साइड का 30 से 40 प्रतिशत भाग सांस लेने के साथ वापस खींच लेता है।

तो क्या यही वजह है कि हमारे देश में प्रायः प्रधानमंत्री सहित अनेक 'आदर्श पुरुष ' बिना मास्क लगाये बड़े से बड़े आयोजन की शोभा बढ़ाते देखे जा सकते हैं ? पिछले दिनों शिव सेना के सांसद संजय राऊत नासिक के एक सार्वजनिक कार्यक्रम में जब बिना मास्क लगाये दिखाई दिये तो मीडिया ने उनसे मास्क न लगाने की वजह पूछी। उन्होंने साफ़ तौर पर कहा कि 'मैं पी एम मोदी को फ़ॉलो करता हूँ।' राऊत ने यह भी कहा कि पी एम दूसरों से तो मास्क लगाने को कहते हैं परन्तु वे स्वयं मास्क नहीं लगाते। इस भ्रमपूर्ण स्थिति में यहाँ यह सवाल ज़रूरी है कि जब एक सांसद प्रधानमंत्री का हवाला देकर अपने मास्क न पहनने को न्यायोचित बताता हो ऐसे में केवल आम जनता को ही मास्क लगाने के लिये बाध्य करना यहाँ तक कि मास्क न लगाने वालों से जुर्माना तक वसूल करना भ्रम के साथ साथ साथ सरकार व प्रशासन की दोहरेपन की नीति का परिणाम है या नहीं ? इसी प्रकार देश में बड़े बड़े धार्मिक सामजिक व राजनैतिक आयोजन हो रहे हैं। समुदाय विशेष तथा गाँधी को गरियाने वाले कार्यक्रमों को शायद 'अति आवश्यक ' समझकर आयोजित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश,पंजाब,उत्तराखंड,गोवा व मणिपुर जैसे चुनावी राज्यों में संभवतः दस जनवरी तक चुनाव की तारीख़ भी घोषित हो जायेगी। निश्चित रूप से चुनाव तिथि घोषित होने के बाद इन राज्यों में चुनावी गहमागहमी और अधिक बढ़ जाएगी।

इसीलिये जनता भ्रमित भी है और सरकार के दोहरेपन को भी देख व समझ रही है।जब विभिन्न राज्यों में कहीं रात का कर्फ़्यू लग चुका है तो कहीं वीकेन्ड कर्फ़्यू लग चुका है कहीं मॉल,शॉपिंग कॉम्प्लेक्स,बाज़ार जिम,पार्क आदि या तो बंद करवा दिए गये हैं या कहीं आंशिक रूप से बंद कराये जा रहे हैं, बच्चों की पढ़ाई व परीक्षाओं पर फिर ख़तरा मंडराने लगा है,गोवा व महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में स्कूल कॉलेज बंद कर दिये गये हैं। देश में 15 से 18 वर्ष के किशोरों का टीकाकरण शुरू हो चुका है। चुनाव आयोग चुनावी राज्यों में चुनाव पूर्व शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने के लिये प्रयासरत तो ज़रूर है। परन्तु ख़बरें यह भी हैं कि वैक्सीन की दोनों ख़ुराक अथवा एक ख़ुराक लगवाने वाले कई लोग कोरोना की ज़द में भी आ चुके और ओमीक्रॉन से भी प्रभावित हो चुके हैं। इसलिये टीकाकरण कोरोना का संपूर्ण कवच है,इस बात को लेकर भी संदेह व भ्रम बरक़रार है। इन हालात में चुनावी रैलियों,भीड़ भाड़ व सरगर्मियों को कैसे न्यायोचित व तर्क सांगत ठहराया जा सकता है ? हालांकि चुनाव आयोग के अनुसार सभी राजनैतिक दल चुनाव कराना चाहते हैं, परन्तु क्या जनता को राजनैतिक दलों की 'मंशा की भेंट' चढ़ाया जा सकता है ?

प्रधानमंत्री इन दिनों चुनावी राज्यों का धुंआधार दौरा कर रहे हैं। चुनाव तिथि घोषित होने से पूर्व केंद्र व राज्य सरकारें जनता को 'चुनावी वर्ष' के तोहफ़ों से नवाज़ रही हैं। क्या कांग्रेस क्या समाजवादी तो क्या आम आदमी पार्टी सभी का ध्यान इसी ओर है कि किस तरह अपनी सभाओं रैलियों व जुलूसों में अधिक से अधिक लोगों की शिरकत सुनिश्चित कर मीडिया के द्वारा जनता को अपना बढ़ता जनाधार दिखाया जा सके। इस तरह के राजनैतिक आयोजनों पर कोई रोक टोक नहीं है। न समय सीमा,न कर्फ़्यू न मास्क न सोशल डिस्टेंसिंग,न सिनेटाइज़र। गोया सारे क़ायदे क़ानून सख़्तियाँ व प्रतिबंध सिर्फ़ आम जनता के लिये हैं नेताओं के लिये हरगिज़ नहीं ?देश में इसी भ्रम व दोहरेपन के बीच फिर एक बार फिर कोरोना की दहशत मंडराने लगी है। (लेखिका- निर्मल रानी / ईएमएस)

गुजरात की अदालत में गुजराती नहीं

गुजरात के उच्च न्यायालय में भाषा के सवाल पर फिर विवाद खड़ा हो गया है। एक पत्रकार विशाल व्यास ने गुजराती में ज्यों ही बोलना शुरु किया, जजों ने कहा कि आप अंग्रेजी में बोलिए। व्यास अड़े रहे। उन्होंने कहा कि मैं गुजराती में ही बोलूंगा। जजों ने कहा कि संविधान की धारा 348 के अनुसार इस अदालत की भाषा अंग्रेजी है। यदि व्यास चाहें तो उनकी बात का अंग्रेजी अनुवाद करने की सुविधा का इंतजाम अदालत कर देगी। अदालत की यह उदारता सराहनीय थी लेकिन यह कितने दुख की बात है कि भारत की अदालतों में आज भी अंग्रेजी का एकाधिकार है। इन जजों से कोई पूछे कि आपने धारा 348 को ठीक से पढ़ा भी है या नहीं? वह कहती है कि अदालत की भाषा अंग्रेजी होगी लेकिन इन जजों से कोई पूछे कि क्या अपराधी या याचिकाकर्ता को भी वे अदालत मानते हैं? आप उन्हें उनकी भाषा में क्यों नहीं बोलने देते? आप उन पर अंग्रेजी लादकर उनके मौलिक अधिकार का हनन कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अंग्रेजी में चलनेवाली सारी अदालती कार्रवाई के कारण देश के साधारण लोगों की ठगी होती है। उन्हें पल्ले ही नहीं पड़ता कि उनके और विपक्ष के वकील क्या बहस कर रहे हैं? उनके तथ्य और तर्क सीधे हैं या उल्टे हैं, यह मुव्वकिल लोग तय ही नहीं कर पाते हैं और अंग्रेजी में जो फैसले होते हैं, उनको समझना तो हिमालय पर चढ़ने जैसा है। धारा 348 यह भी कहती है कि संसद चाहे तो वह संविधान में संशोधन करके ऊंची अदालतों में भारतीय भाषाओं को चला सकती है। वह कानून को अंग्रेजी में बनाने की अनिवार्यता भी खत्म कर सकती है। इसके अलावा इसी धारा में यह प्रावधान भी है कि किसी भी प्रांत का राज्यपाल राष्ट्रपति की सहमति से अपने उच्च न्यायालय में हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं के इस्तेमाल की इजाजत दे सकता है। यहां सवाल यही है कि गुजरात-जैसे राज्य में भी इस प्रावधान को अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया? यह वही गुजरात है, जिसमें भाजपा के नरेंद्र मोदी वर्षों मुख्यमंत्री रहे हैं और अब प्रधानमंत्री हैं। महर्षि दयानंद और महात्मा गांधी, दोनों ही गुजराती थे और दोनों ने ही हिंदी का बीड़ा उठा रखा था। भारत के सभी राज्यों में गुजरात को तो सबसे आगे होकर विधानसभा और उच्च न्यायालय में गुजराती और हिंदी को अनिवार्य करना चाहिए था। संसद के प्रबुद्ध सांसदों को चाहिए कि वे संविधान की धारा 348 में संशोधन करवाकर अंग्रेजी के एकाधिकार को कानून-निर्माण और अदालतों से बाहर करें। यदि संसद और विधानसभाएं दृढ़ संकल्प कर लें तो अंग्रेजी की गुलामी तत्काल खत्म हो सकती है, जैसे 1917 में सोवियत रुस में से फ्रांसीसी, 200 साल पहले फिनलैंड में से स्वीडी और 16 वीं सदी में ब्रिटेन में से फ्रांसीसी और तुर्की में से फ्रांसीसी भाषा और अरबी लिपि को खत्म किया गया। अंग्रेजी भाषा की गुलामी अंग्रेज लोगों की गुलामी से भी बदतर है। क्या देश में कोई ऐसा राजनीतिक दल या नेता है, जो इस गुलामी से भारत का छुटकारा करवा सके? (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

ओमीक्रॉन संकट के बीच चिंता बढ़ाता डेल्मिक्रॉन

दुनियाभर में जनवरी 2020 में शुरू हुआ कोरोना संक्रमण का प्रकोप थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। आए दिन सामने आते इसके विभिन्न रूपों से पूरी दुनिया चिंतित है। दक्षिण अफ्रीका से लेकर ब्रिटेन तक तबाही मचा रहे कोरोना के नए वेरिएंट 'ओमिक्रॉन' का प्रभाव अब भारत सहित दुनिया के तमाम हिस्सों में तेजी से बढ़ता जा रहा है। देश में ओमिक्रॉन से संक्रमितों की संख्या चंद दिनों में ही 1500 के पार पहुंच गई है और तमाम विशेषज्ञों द्वारा इसी वजह से फरवरी माह में तीसरी लहर की भविष्यवाणी की जा रही है। ओमिक्रॉन के निरन्तर बढ़ते खतरे के बीच अब कोरोना वायरस के नए वेरिएंट 'डेल्मिक्रॉन' पर बहस शुरू हो गई है। इस बहस के बीच चिंता बढ़ाने वाली बात यह है कि जहां अभी तक के अध्ययनों में पता चला है कि ओमिक्रॉन कोरोना के डेल्टा वेरिएंट से कई गुना अधिक संक्रामक होने के बावजूद ज्यादा खतरनाक नहीं है, वहीं वैज्ञानिकों के मुताबिक डेल्मिक्रॉन लोगों में कोरोना की गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है। यूरोप तथा अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों के लिए डेल्मिक्रॉन को ही जिम्मेदार माना जा रहा है। यही कारण है कि भारत में भी इसे लेकर चिंता का माहौल बनने लगा है। भारत में डेल्मिक्रॉन शब्द का उल्लेख सबसे पहले महाराष्ट्र कोविड-19 टास्क फोर्स के अधिकारी डा. शशांक जोशी ने किया था। उन्होंने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि यूरोप तथा अमेरिका में डेल्टा और ओमिक्रॉन के ट्विन स्पाइक्स से उपजे डेल्मिक्रॉन ने लोगों के लिए मुसीबतें बढ़ा दी हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के ओमिक्रॉन और डेल्टा वैरिएंट का संयोजन है डेल्मिक्रॉन, जिसे कोरोना का 'सुपर स्ट्रेन' भी कहा जा रहा है। हालांकि डेल्मिक्रॉन कोरोना का कोई नया वेरिएंट या म्यूटेशन नहीं है बल्कि यह डेल्टा और ओमिक्रोन, इन दोनों के प्रोटीन का एक संयोजन है और डेल्मिक्रॉन शब्द तभी उपयोग किया जा रहा है, जब कोई व्यक्ति कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों वेरिएंट से संक्रमित होता है। डेल्टा और ओमिक्रॉन संक्रमण एक साथ हो जाने की स्थिति को ही 'डेल्मिक्रॉन' नाम दिया गया है अर्थात् जब कोई व्यक्ति डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों से संक्रमित हो जाता है, तब उसे डेल्मिक्रॉन का संक्रमण कहते है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि डेल्टा और ओमिक्रॉन के मिलने से दुनिया के कई हिस्सों में एक नई लहर आ सकती है। कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के संक्रमण के कारण भारत में दूसरी लहर के दौरान लोगों में बहुत गंभीर स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं देखने को मिली थी जबकि ओमिक्रॉन को अभी तक का सबसे संक्रामक वैरिएंट माना जा रहा है, इसीलिए विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों वेरिएंट के संयोजन से बना डेल्मिक्रॉन गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले व्यक्ति, बुजुर्ग तथा कोमोर्बिडिटी (एक से अधिक बीमारियों से ग्रसित) व्यक्ति डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों ही वैरिएंट से एक साथ संक्रमित हो सकते हैं और ऐसे ही लोगों के अंदर इन दोनों वेरिएंट के वायरस मिलकर नया सुपर स्ट्रेन डेल्मिक्रॉन बना रहे हैं।

कोरोना वायरस स्पाइक प्रोटीन से ही मानव शरीर की कोशिका में प्रवेश करने के रास्ते खोलता है और चूंकि डेल्मिक्रॉन में डेल्टा तथा ओमिक्रॉन के जुड़वां स्पाइक प्रोटीन हैं, इसीलिए डेल्मिक्रॉन में कोरोना के इन दोनों वैरिएंट के स्पाइक प्रोटीन होने के कारण ही यह ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार नवम्बर माह तक अमेरिका के कुल कोरोना मामलों में 99 फीसदी के लिए डेल्टा वैरिएंट जिम्मेदार था लेकिन दिसंबर के तीसरे सप्ताह तक वहां कोरोना के 73 फीसदी से भी ज्यादा मामले ओमिक्रॉन के थे जबकि 27 फीसदी से कम डेल्टा के मामले थे। ब्रिटेन का भी कुछ ऐसा ही हाल है, जहां ओमिक्रॉन के फैलते ही प्रतिदिन कोरोना के एक लाख से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है अमेरिका तथा ब्रिटेन में कोरोना की तेज रफ्तार के पीछे डेल्टा या ओमिक्रॉन के बजाय डेल्टा और ओमिकॉन से मिलकर बना सुपर स्ट्रेन डेल्मिक्रॉन जिम्मेदार हो सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक डेल्मिक्रॉन संक्रमण तब भी हो सकता है, जब डेल्टा संक्रमण से उबरने वाला व्यक्ति ओमिक्रॉन वेरिएंट से पुनः संक्रमित हो जाए। हालांकि ऐसे संक्रमण को दुर्लभ माना गया है लेकिन भीड़-भाड़ वाली जगहों के सम्पर्क में आने पर ऐसा संभव है।

हालांकि कुछ विशेषज्ञ डेल्टा तथा ओमिक्रॉन के मिलने से सुपर स्ट्रेन बनने की बात को लेकर सहमत नहीं हैं लेकिन कुछ शोधकर्ताओं का कहना है कि भले ही डेल्टा और ओमिक्रॉन का संयोजन होना दुर्लभ है लेकिन सही परिस्थितियां मिलने पर ऐसा संभव है। दक्षिण अफ्रीका से कई ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं, जिनमें बताया गया है कि वहां कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में दोनों वैरिएंट होने की आशंका थी। यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स के महामारी विशेषज्ञ पीटर व्हाइट भी सुपर स्ट्रेन की ऐसी संभावना को लेकर चेतावनी दे चुके हैं। वहीं, कोरोना वैक्सीन बनाने वाली कम्पनी 'मॉडर्ना' के चीफ मेडिकल ऑफिसर डा. पॉल बर्टन का भी कहना है कि यह संभव है कि डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों वैरिएंट जीन की अदला-बदली करके एक नया खतरनाक वैरिएंट बना चुके हों। भारत में डेल्मिकॉन संक्रमण बढ़ने की आशंका को लेकर चिंता गहराने का कारण यह भी है क्योंकि ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सुपर स्ट्रेन दुनिया के अन्य हिस्सों में अपना असर दिखा रहा है तो यह भारत के लिए भी बड़ा खतरा हो सकता है। हालांकि अभी भी भारत में डेल्टा ही प्रमुख रूप से प्रभावी वैरिएंट है लेकिन ओमिक्रॉन धीरे-धीरे दुनिया के अन्य देशों की भांति जिस प्रकार डेल्टा की जगह ले रहा है, उससे चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। वैसे अभी इसकी भविष्यवाणी करना संभव नहीं है कि हमारे यहां डेल्टा तथा ओमिक्रॉन मिलकर सुपर स्ट्रेन 'डेल्मिक्रॉन' जैसा व्यवहार करेंगे या नहीं लेकिन दुनिया के अन्य देशों की स्थिति को देखते हुए इसका खतरा बरकरार है।

जहां तक डेल्मिक्रॉन के प्रमुख लक्षणों की बात है तो इसके कोई विशेष लक्षण नहीं हैं। अभी तक डेल्टा और ओमिक्रॉन रोगियों में बुखार, खांसी, नाक बहना, सिरदर्द, गंध या स्वाद चले जाना सहित कुछ अन्य लक्षण देखे गए हैं और कुछ अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि डेल्मिक्रॉन का प्रभाव डेल्टा की तुलना में हल्का होता है, ऐसे में मौत का खतरा कम रहता है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे इलाके, जहां वैक्सीनेशन कम हुआ है, वहां के लोगों पर डेल्मिक्रॉन कहर बरपा सकता है। वैसे ओमिक्रॉन की संक्रामकता कम करने में कोरोना वैक्सीन कितनी कारगर है, इसे लेकर अध्ययन किए जा रहे हैं, उसी आधार पर पता चलेगा कि डेल्टा और ओमिक्रॉन के संयोजन से वैक्सीन किस हद तक सुरक्षा दे सकेगी। डेल्मिक्रॉन के प्रभावों को लेकर विस्तृत जानकारी आने वाले दिनों में इस पर किए जा रहे अध्ययनों के निष्कर्षों के आधार पर ही आएगी लेकिन फिलहाल तो तमाम विशेषज्ञों का यही कहना है कि वैक्सीनेशन इससे बचाव का प्रमुख हथियार है। इसके अलावा इसकी चपेट में आने से बचने के लिए कोविड-उपयुक्त व्यवहार जैसे मास्क पहनना, सोशल डिस्टेंसिंग और अनावश्यक भीड़ से बचना जरूरी है। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

आज का इतिहास 7 जनवरी

1537 फ्लोरेंस में अलसांड्रो डो मेडिसी की हत्या के बाद कास्मो डी मंडिसो गद्दी पर बैठे.

1598 बोरिस गोदुनोव ने रूस की गद्दी पर कब्जा किया.

1622 रोम नरेश फर्डीनांड द्वितीय और ट्रांसिलवानिया के गेबोर बेयलेन के बीच संधि हुई.

1807 ब्रिटेन ने फ्रांस के समुद्री तट की नाकेबंदी की.

1858 मुगल बादशाह बहादुर शाह द्वितीय के खिलाफ मुकद्दमा शुरू हुआ.

1932 चीन पर जापानी हमले की अमरीका ने निंदा की.

1937 पोलैंड ने डैजिंग से समझौते पर हस्ताक्षर किए.

1953 अमरीका ने हाइड्रोजन बम बना लेने की घोषणा की.

1961 अफ्रीकी देशों के राज्याध्यक्षों ने कैसाब्लांका बैठक में अफ्रीकी घोषणापत्र जारी किया.

1968 बेरूत हवाई अड्डे पर इसरायली कमांडो हमले के बाद लेबनान सरकार ने इस्तीफा दिया.

1972 भारत ने चीन को राजनयिक मान्यता दी.

1973 फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डीनांड माकोस ने नए संविधान पर जनमत संग्रह स्थगित करने की घोषणा की.

1987 लेबनान के पूर्व राष्ट्रपति केमिले चेमान बम विस्फोट में घायल हुए.

1988 इसरायल अधिकृत अरब क्षेत्रों मे फलीस्तीनियों की स्थिति का आकलन करने राष्ट्र संघ के अधिकारी गए.

1992 यूरोपीय समुदाय के हेलीकॉप्टर को यूगोस्लाव सेना ने गिराया जिससे पांच प्रेक्षक मारे गए.

1998 मदन मोहन पुंछी भारत के 28 वें मुख्य न्यायाधीश बने.

2000 कारगिल समिति ने अपनी रिपोर्ट पेश की.

2002 पुंछ में सेना की कार्रवाई में पाक के 7 सैनिक मारे गए.

2004 मेनका गांधी ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की.

2005 विदेशों में बसे भारतीयों व 26 जनवरी 1950 के बाद देश छोड़ने वाले सभी अप्रवासियों को दोहरी नागरिका दी गई.

मामूली सर्दी-जुकाम नहीं ओमिक्रॉन संक्रमण, केस बढ़े तो चरमरा सकती है व्यवस्था : सौम्या स्वामिनाथन

जेनेवा (ईएमएस)। जिस रफ्तार से दुनिया भर में कोरोना की लहर फिर से फैल रही है, उससे हर कोई खौफ में है। ओमिक्रॉन के मामले खतरनाक तरह से दुनिया को अपनी चपेट में ले रहे हैं। अब तक 128 देशों में ओमिक्रॉन के मामले की पुष्टि हो चुकी है। ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की प्रमुख वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने दुनिया को आगाह करते हुए कहा ओमिक्रॉन को कमजोर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। उन्होंने ट्वीट किया कि ओमिक्रॉन को आम सर्दी समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। ओमीक्रोन बहुत तेजी से संक्रमित कर रहा है। इससे स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा सकती है। सौम्या स्वामीनाथन ने विश्व से अपील की कि बड़ी संख्या में मरीजों के परीक्षण, सलाह और निगरानी के लिए सिस्टम का मजबूत होना महत्वपूर्ण है क्योंकि ओमिक्रॉन के मामले में वृद्धि अचानक और बहुत तेजी से हो सकती है।

कुछ रिपोर्टों में बताया जा रहा है कि ओमिक्रॉन से अस्पताल पहुंचने का जोखिम बहुत कम है। इस मुद्दे पर विषाणु वैज्ञानिक और कोविड-19 टेक्निकल टीम की प्रमुख मारिया वेन करखोवे ने कहा कि ओमिक्रॉन सामान्य सर्दी नहीं है। उन्होंने ट्वीट किया बेशक कुछ रिपोर्ट में डेल्टा की तुलना में ओमिक्रॉन से संक्रमित होने के बाद अस्पताल पहुंचने का जोखिम कम बताया जा रहा है, लेकिन अब भी इससे बहुत तेजी से लोग संक्रमित हो रहे हैं। यहां तक कि डेल्टा और ओमिक्रॉन दोनों वेरिएंट से संक्रमित लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं और मर भी रहे हैं। हम जीवन को बचाने के लिए संक्रमण को रोक सकते हैं। इसलिए हमें वैक्सीन असमानता को खत्म करना होगा।

अब भी कई लोगों का मानना है कि ओमिक्रॉन उतना खतरनाक नहीं है जितना डेल्टा वेरिएंट है। लोग इसे सामान्य सर्दी जुकाम की तरह ले रहे हैं। कुछ लोगों का तो यह भी मानना है कि ओमिक्रॉन नेचुरल वैक्सीन की तरह काम करेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ओमिक्रॉन वैक्सीन की तरह नहीं है। अब तक ऐसी कोई रिसर्च नहीं हुई है जिसके आधार पर यह दावा किया जाए कि ओमिक्रॉन का संक्रमण कुदरती वैक्सीन की तरह काम करेगा। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1.27 लाख मामले सामने आए हैं।

दैनिक पंचांग

07 जनवरी 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2022 वर्ष का सातवां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1943 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 11.11 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 06.20 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 13.11 बजे को समाप्त। **करण** बालव 11.11 बजे तदनन्तर कौलव 22.51 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 4.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 22° 24' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1871121 **जूलियन दिन** 2459586.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 03 **विशेष** स्कन्द षष्ठी, राजिम भक्तिन माता जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.16 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कुंभ	09.03 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मीन	10.36 बजे से
बुध	मकर में	मेष	12.06 बजे से
गुरु	कुंभ में	वृष	13.46 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.44 बजे से
शनि	मकर में	कर्क	17.58 बजे से
राहु	वृष में	सिंह	20.14 बजे से
केतु	वृश्चिक में	कन्या	22.26 बजे से
राहुकाल		तुला	00.36 बजे से
10.30 से		वृश्चिक	02.51 ब.से
12.00 बजे तक		धनु	05.07 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 7160

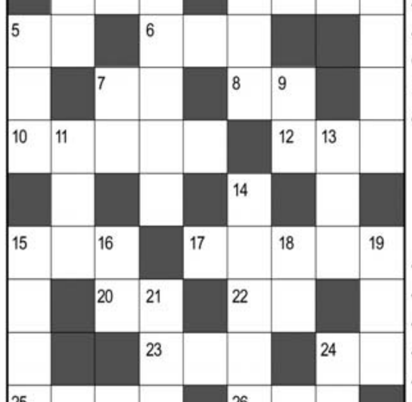

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदुषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -7159 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

एडीलेड के सेमीफाइनल में पहुंचे सानिया और नाडिया

एडीलेड (ईएमएस)। भारत की महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनकी जोड़दार उक्रेन की नाडिया किचेनोक एडीलेड इंटरनेशनल डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के महिला युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। सानिया और नाडिया ने क्वार्टर फाइनल में हुए एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में अमेरिका की शेल्बी रोजर्स और ब्रिटेन की हीथर वाटसन को 6-0 1-6 10-5 से हराया। यह मुकाबला करीब 55 मिनट तक चला।

अब सानिया-नाडिया की जोड़ी का मुकाबला सेमीफाइनल में एशले बार्टी और स्टोर्म सैंडर्स की जोड़ी से होगा।

सानिया और नाडिया ने अपने पहले दौर के मुकाबले में गैब्रिएला दाब्रोवस्की और गियूलियाना ओल्मोस की जोड़ी को 1-6 6-3 10-8 से हराया था। एडीलेड टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को साल के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन से पहले अपनी तैयारियों के आंकलन का भी अवसर मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 17 जनवरी से शुरु होगा।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित, जेमिमा, शिखा को नहीं मिली जगह

मुम्बई (ईएमएस)। न्यूजीलैंड में चार मार्च से तीन अप्रैल तक होने वाले आईसीसी एकदिवसीय महिला विश्व कप क्रिकेट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। इस टीम की कप्तानी अनुभवी बल्लेबाज मिताली राज करेंगी जबकि हरमनप्रीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में स्मृति मंधाना, झूलन गोस्वामी और युवा शेफाली वर्मा को भी शामिल किया गया है पर हैरानी की बात है कि आक्रामक बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिगेज और शिखा पांडे को टीम में जगह नहीं मिली है। इन दोनो के बाहर होने का कारण खराब फॉर्म बताया गया है। जेमिमा पिछले साल एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा स्कोर नहीं बना पायी हैं। वहीं ऑलराउंडर शिखा भी गेंदबाजी और बल्लेबाजी में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। एकदिवसीय विश्व कप से पहले भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ नौ से 24 फरवरी तक सीमित ओवरों की एक श्रृंखला भी खेलेगी इसमें एक टी20 और पांच एकदिवसीय मैच होंगे। इस सीरीज में कप्तानी हरमनप्रीत करेंगी।

आईसीसी महिला विश्व कप 2022 और न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष , स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव।

स्टैंडबाय : एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टी20 टीम :

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना,शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा, पूजा वस्त्राकर, मेधना सिंह, रेणुका सिंह ठाकुर, तानिया भाटिया, राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव, एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

ख्वाजा ने वापसी पर लगाया शतक , ऑस्ट्रेलिया ने 416 रनों पर घोषित की पारी

सिडनी (ईएमएस)। उस्मान ख्वाजा के शानदार शतक से ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ सिडनी में जारी एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 416 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेहमान टीम इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक बिना विकेट खोये अपनी पहली पारी में 13 रन बना लिए थे। हसीब हमीद 2 और जैक क्राउली 2 रनों पर खेल रहे थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दो साल बाद वापसी करते हुए बल्लेबाज ख्वाजा ने 137 रन की अच्छी पारी खेली। इसी के साथ ख्वाजा ने अपने करियर का 9वां और सिडनी में दूसरा शतक लगाया है। ख्वाजा के अलावा अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने भी 67 रन बनाए हैं। मेजबान टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों मिचेल स्टार्क ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 60 गेंद में 34 रन बनाए। उन्होंने ख्वाजा के साथ 8वें विकेट के लिए 67 रन बनाये। इससे पहले सुबह ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन के तीन विकेट पर 126 रनों से आगे खेलते हुए मेहमान टीम इंग्लैंड के गेंदबाजों को जमकर पीटा। ख्वाजा और स्मिथ की जोड़ी ने चौथे विकेट के लिए 263 गेंद में 115 रन बनाये। इसी दौरान स्मिथ ने अपना अर्धशतक पूरा किया।

232 रन के स्कोर पर स्टुअर्ट ब्रॉड ने स्मिथ को पेवेलियन भेजकर दिन का पहला विकेट लिया। वहीं ख्वाजा दूसरे छोर से जमे रहे और उन्होंने अपना शतक लगाया। ख्वाजा ने पहले एलेक्स कैरी के साथ 43 और फिर पैट कमिंस के साथ 46 रन की साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। उस्मान को 393 रन के स्कोर पर स्टुअर्ट ब्रॉड ने बोल्ड कर दिया, इस प्रकार आठवां विकेट गिरा। ख्वाजा के बाद उतरे नाथन लायन और मिचेल स्टार्क ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को 400 के ऊपर पहुंचाया। इसके बाद कप्तान पैट कमिंस ने 416 पर पारी घोषित कर दी। इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड ने सबसे अधिक 5 विकेट लिए। ब्रॉड के अलावा जेम्स एंडरस, मार्क वुड और जो रूट ने भी एक-एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए जोकोविच को दी गयी राहत से खुश नहीं प्रधानमंत्री मॉरिसन

मेलबोर्न (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा है कि ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को बिना टीकाकरण के भाग लेने की अनुमति देना सही नहीं है। मॉरिसन के अनुसार जोकोविच के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी होने का मतलब यह नहीं होना चाहिये कि उनके लिए किसी प्रकार के विशेष नियम हों। मॉरिसन ने कहा कि अगर उनके पास टीका नहीं लगाने के लिए साक्ष्य पर्याप्त नहीं हैं तो उन्हें किसी और से अलग नहीं माना जाएगा। साथ ही कहा कि जोकोविच के लिए बिल्कुल भी खास नियम नहीं होने चाहिए, चाहे वो जो भी हों। वहीं इससे पहले जोकोविच ने एक ट्वीट में घोषणा की थी कि वह टीके से राहत की अनुमति के साथ सत्र के पहले ग्रैंड स्लैम में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएंगे। उन्होंने ट्वीट में लिखा था, मैंने ब्रेक के दौरान अपने प्रियजनों के साथ शानदार समय बिताया है और आज मैं शर्तों में राहत की अनुमति के साथ ऑस्ट्रेलिया जा रहा हूं। गौरतलब है कि जोकोविच पिछले कुछ समय से कोरोना टीक लगाने के स्टेटस का खुलासा न करने के कारण विवादों में रहे हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के लिए टीकाकरण अनिवार्य है हालांकि चिकित्सा कारणों से उसमें राहत दी जा सकती है।

मुक्केबाजी में कमाई के मामले में शीर्ष पर हैं मेवेदर

लंदन (ईएमएस)। मुक्केबाजी में फ्लायड मेवेदर अभी भी कमाई के मामले में नंबर एक स्थान पर हैं। मेवेदर की कमाई 400 मिलियन पाऊंड है जोकि दूसरे स्थान पर कायम जॉर्ज से फोरमैन से करीब दो गुणा ज्यादा है। वहीं तीसरे स्थान मैनी पिकाकियो है। वहीं टायसन फरी 100 मिलियन का आंकड़ा हासिल करने वाले सातवे मुक्केबाज हैं। हाल के दिनों में फरी और एंथनी जोशुआ तेजी से आगे बढ़े हैं पर इसके बाद भी ये दोनो अभी अन्य मुक्केबाजों से कहीं पीछे हैं।

कमाई में सबसे धनी मुक्केबाज हैं

मुक्केबाज (कमाई पाउंड में)

1 फ्लायड मेवेदर (400 मिलियन)
2 जॉर्ज फोरमैन (222 मिलियन)
3 मैनी पिकाकियो (163 मिलियन)
4 ऑस्कर डी ला होया (148 मिलियन)
5 कानैलो एल्वरेज (105 मिलियन)
6 लीनॉक्स लेविस (103 मिलियन)
7 टायसन फरी (100 मिलियन)
8 शुगर रे लियोनार्ड (88 मिलियन)
9 एंथनी जोशुआ (60 मिलियन)
10 व्लादिमीर क्लिट्स्को (58 मिलियन)

जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया ओपन के लिए प्रवेश नहीं दिये जाने को नडाल ने सही बताया

ब्रिसबेन (ईएमएस)। सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ऑस्ट्रेलिया ओपन के लिए देश में प्रवेश न दिये जाने पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं आयीं हैं। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों के अनुसार जोकोविच कोविड़-19 टीकाकरण नियमों में राहत के लिए जरूरी दस्तावेज पेश नहीं कर पाये थे। इसलिए उनका वीजा रद्द कर दिया गया।

टीका न लेने वालों के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति के आपत्तिजनक शब्द पर खड़ा हुआ विवाद

-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी विरोध जताया

पेरिस (ईएमएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कोरोना वायरस का टीका नहीं लेने वाले लोगों पर दबाव बनाने की अपनी रणनीति का जिक्र करते हुए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनकी टिप्पणी को लेकर संसद में हंगामा होने के साथ ही उनके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों ने भी विरोध जताया। राष्ट्रपति ने हाल ही में एक फ्रांसीसी अखबार द्वारा प्रकाशित एक साक्षात्कार में आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब संसद में नए उपायों को लेकर तीखी बहस हो रही है। नए कदमों में यह भी प्रस्ताव किया गया है कि केवल टीका लेने वाले लोगों को ही छुट्टियों पर बाहर घूमने की अनुमति दी जाए। राष्ट्रपति साक्षात्कार में टीकाकरण पर जोर देने की अपनी रणनीति की चर्चा कर रहे थे। मैक्रों के स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने राष्ट्रपति के बयान का बचाव किया और कहा कि उनके साक्षात्कार में 'सबसे ऊपर, जनसंख्या की रक्षा के लिए उनके इराद प्रदर्शित होते हैं। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन वेरिएंट से जूझ रही दुनिया के लिए एक और बुरी खबर है। फ्रांस में वैज्ञानिकों को कोरोना वायरस का एक नया वेरिएंट मिला है जो ओमीक्रोन से भी ज्यादा संक्रामक है। यह वेरिएंट ज्यादा म्यूटेड है और इसका नाम आईएचयू है। इस बी.1.640.2 वेरिएंट को आईएचयचू मेडिटेरेंस इन्फेक्शन के विशेषज्ञों ने खोजा है। शोधकर्ताओं ने कहा कि इस वेरिएंट में 46 म्यूटेशन है जो ओमीक्रोन से भी ज्यादा है। विशेषज्ञों ने कहा कि आईएचयू वेरिएंट वैक्सीन और संक्रमण को लेकर ज्यादा प्रतिरोधी है। यही नहीं इस आईएचयू वेरिएंट के कम से कम 12 मामले मारसेल्लेस के पास दर्ज किए गए हैं। यहां से लोग अफ्रीका के कैमरून गए थे। यह नया वेरिएंट ऐसे समय पर मिला है जब दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में कोरोना का ओमीक्रोन वेरिएंट फैला हुआ है। हालांकि अब आईएचयू वेरिएंट के फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

तालिबान की पाकिस्तान को दो टूक, डयूरंड रेखा पर बाड़बंदी की अनुमति नहीं देगा

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार ने कहा है कि वह डयूरंड रेखा पर पाकिस्तान को किसी भी तरह की बाड़बंदी की अनुमति नहीं देगा। बाड़बंदी के मुद्दे को लेकर दोनों पड़ोसी मुल्कों में बढ़ रहे तनाव के बीच अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है।तालिबान कमांडर मौलवी सनाउल्ला ने कहा, हम (तालिबान) कभी, किसी भी तरीके की बाड़बंदी की अनुमति नहीं देने वाले हैं। उन्होंने (पाकिस्तान) पहले जो भी किया, वहां कर लिया। अब हम आगे इसकी इजाजत नहीं दी जाएगी। अब कोई बाड़बंदी नहीं होगी। संगीन का यह बयान उस समय आया है, जब पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि मामले को कूटनीतिक तरीके से शांतिपूर्ण तरीके से हल होगा।

कुरैशी ने कहा था, कुछ उपद्रवी तत्व मुद्दे को बिना वजह उछाल रहे हैं,लेकिन हम इस पर गौर कर रहे हैं। हम अफगानिस्तान सरकार के साथ संपर्क में हैं।उम्मीद है कि हम कूटनीतिक तरीके से इस मुद्दे को सुलझा लेने वाले है। गौरतलब है कि डयूरंड रेखा अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच 2,670 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है।दोनों देशों की सेनाओं के बीच इस स्थान पर हल्की फुल्की झड़प की घटनाएं कई बार हो चुकी हैं। पाकिस्तान ने काबुल की आपत्तियों के बावजूद सीमा पर बाड़बंदी का 90 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। अफगानिस्तान का कहना है अंग्रेजों के शासन काल की सीमाबंदी ने दोनों ओर के कई परिवारों को बांट दिया है।

यूक्रेन के मामले में रुस के खिलाफ एक साथ हुए अमेरिका और जर्मनी

वाशिंगटन (ईएमएस)।अमेरिका और जर्मनी ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन की सीमा के पास रूसी सैन्य जमावड़े ने यूरोपीय सुरक्षा के लिए तत्काल और बड़ी चुनौती पेश की है, और किसी भी हस्तक्षेप के गंभीर परिणाम हो सकते है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और जर्मनी की विदेशमंत्री एनालेना बारबॉक ने बैठक के बाद रूस के मुद्दे पर राय जताने की कोशिश की।ब्लिंकन ने कहा, जर्मनी और अमेरिका दोनों यूक्रेन के प्रति रूस की हरकत को यूरोप में शांति और स्थिरता के लिए तत्काल और बड़ी चुनौती के रूप में देखते हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा, हम यूक्रेन की सीमा पर रूस के सैन्य जमावड़े की निंदा करते हैं। रूस की तीखी बयानबाजी की भी हम निंदा करते हैं, क्योंकि वह झूठी धारणा फैला रहा है, कि यूक्रेन उकसावेबाजी कर रहा है। बारबॉक ने ब्लिंकन के बयान से सहमति जताकर कहा, हमने संयुक्त रूप से कहा है कि रूसी कार्रवाई और गतिविधियां बिल्कुल स्पष्ट हैं और अगर रूस यूक्रेन की संप्रभुता का उल्लंघन करेगा,तब उसके गंभीर परिणाम होगा। ब्लिंकन-बारबॉक की बैठक के एक सप्ताह पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन पर वार्ता की थी। बाइडन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की से भी रविवार को बात की थी।ब्लिंकन ने कहा, 'मूल सवाल यह है कि क्या रूस कूटनीति को लेकर गंभीर है, क्या वह तनाव कम करना चाहता है? देखते हैं अगले कुछ सप्ताह में क्या हालात पैदा होते हैं।बाइडन प्रशासन रूस के खिलाफ कार्रवाई के लिए अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाने का प्रयास कर रहा है और इसके लिए जर्मनी का साथ जरूरी है।यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश जर्मनी का साथ मिलने से अमेरिका को रूस के खिलाफ कदम उठाने में मदद मिलेगी।

अमेरिका में सेना के 40 प्रतिशत जवान कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाना चाहते

वाशिंगटन (ईएमएस)। इन दिनों ओमिक्रोन दुनियाभर में छाया हुआ है। अमेरिका में ओमिक्रोन के मामले सबसे ज्यादा दर्ज हुए है।इस बीच अमेरिका के टेक्सास के अधिकारियों का बड़ा बयान सामने आया है। बताया जा रहा है कि, अमेरिका के नेशनल गार्ड के हजारों सदस्य कोरोना टीके लेने से इनकार कर रहे है। बाइडेन प्रशासन ने आदेश दिया है कि, सेना के सभी सदस्यों को टीके लगाना अनिवार्य है और इसी आदेश को लेकर अब अदालत में चुनौती दी गई है। सेना के सदस्यों के लिए वैक्सीनेशन अनिवार्य करने को लेकर ट्रंप की समर्थक पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ने जमकर विरोध किया है। इस विरोध के बीच अब याचिका बी दायर कर दी गई है।

बता दें कि, नेशनल गार्ड के टेक्सास में 20,000 से अधिक सदस्य हैं।यह किसी भी राज्य में तैनात होने वाली सबसे बड़ी टुकड़ी है।पूर्वी टेक्सास की संघीय अदालत में दायर मुकदमे के अनुसार, आर्मी नेशनल गार्ड के तकरीबन 40 फीसदी सदस्य धार्मिक और कई अन्य कारणों का हवाला देकर कोरोना का वैक्सीन नहीं लगवाना चाहते हैं। टेक्सास गार्ड के 200 से अधिक एयरमैन भी टीका नहीं लगवाना चाहते हैं। वहीं सेना के सभी सदस्यों के लिए टीका अनिवार्य करने वाले अमेरिका के रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन को भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच लोगों से नियमों का पालन करने की अपील की। मंगलवार को अमेरिका में कोरोना के 10 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रोन से निपटने के लिए प्रशासन से लागातार बात कर रही है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट आई है। इसी के साथ ही पिछले तीन कारोबारी दिनों की तेजी पर भी ब्रेक लग गया है। बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टीसीएस के शेयर बाजारों में बिकवाली हावी रहने से आई है। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक के बाद ब्याज दर में वृद्धि के संकेतों से दुनिया भर के बाजारों में गिरावट आई है जिसका नकारात्मक प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 621.31 अंक करीब 1.03 फीसदी की गिरावट के साथ ही 59,601.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 179.35 अंक तकरीबन एक फीसदी नीचे आकर 17,745.90 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.5 फीसदी से अधिक की गिरावट टेक महिंद्रा के शेयरों में रही। इसके अलावा अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, एचडीएफसी, कोटक बैंक, एचडीएफसी बैंक और टीसीएस के शेयर भी नीचे आये हैं। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, मारुति, टाइटन और बजाज फाइनेंस के शेयर ऊपर आये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने से घरेलू बाजार से पूंजी की निकासी हो सकती है जिससे बाजार धारणा पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

सोने, चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने, चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 284 रुपये नीचे आकर 46,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ जबाकि पिछले कारोबारी सत्र में सोना 46,984 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 1,292 रुपये की गिरावट के साथ ही 59,590 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। पिछले कारोबारी सत्र में यह 60,882 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव नुकसान के साथ ही 1,800 डॉलर प्रति औंस रह गया, जबकि चांदी 22.34 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

ओमीक्रोन के कारण देशभर में होटल उद्योग में मांग घटेगी

मुंबई (ईएमएस)। ओमीक्रोन के फैलने के साथ महामारी की नई लहर के बीच चालू वित्तवर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में होटल उद्योग में मांग घटेगी। रेटिंग एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही। पिछले एक सप्ताह में संक्रमण में तेज वृद्धि और कई राज्यों में आंशिक रूप से लॉकडाउन से होटल में जनवरी 2022 के लिए हो रखी बुकिंग रद्द हो रही है। साथ ही अगले कुछ हफ्तों के लिए बुकिंग संबंधी गतिविधियों में भी कमी आई है। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ठपिछले महीने के अंत तक केवल चुनिंदा व्यापार यात्रा में कुछ कटौती देखी गई थी। लेकिन दिसंबर में अवकाश यात्रा काफी हद तक अप्रभावित रही और बुकिंग में कोई बड़ा प्रभाव नहीं देखा गया।ठ

ओमीक्रोन स्वरूप के फैलने और संक्रमण में तेज वृद्धि के साथ कई राज्यों ने आंशिक लॉकडाउन लगाया है। इससे अगले कुछ हफ्तों में यात्रा कम होगी।हम होटल बुकिंग और उससे संबंधी गतिविधियों में कमी देख रहे हैं।ठ उन्होंने कहा कि पूर्ण रूप से एक महीने के लॉकडाउन से पूरे देश में होटल कमरों का उपयोग चार प्रतिशत प्रभावित होगा। हालांकि कहा,ओमीक्रोन के प्रभाव के बावजूद हम मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी और तीसरी तिमाही की बेहतर मांग से वित्त वर्ष 2021-22 में होटल उद्योग के लिए सालाना आधार पर बेहतर राजस्व वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।ठ

विदेशी फंडिंग मामले में ईसी के निशाने पर आई पीटीआई, बढ़ सकती इमरान खान की मुश्किलें

-रिपोर्ट के मुताबिक पीटीआई को लाखों डालर की रकम बतौर चंदा मिली

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में विदेशी फंडिंग मामले में पीएम इमरान खान की अगुवाई वाली पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी (पीटीआई) चुनाव आयोग के निशाने पर आ गई है। दरअसल, पार्टी की फंडिंग को लेकर एक रिपोर्ट सामने आने के बाद ये सब कुछ हुआ है। इसके साथ ही पार्टियों को मिलने वाला विदेशी चंदा भी एक बार फिर से राजनीतिक गलियारों की हलचल की बड़ी वजह बना है। चुनाव आयोग को मिली रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान की पीटीआई को न सिर्फ विदेशों से चंदा हासिल हुआ है, बल्कि कंपनियों से भी बड़ी तादाद में चंदा मिला है। इसमें यहां तक कहा गया है कि जिन अकाउंट से ये हासिल हुआ है उनको छिपाया गया है। पाकिस्तान के एक अखबार के मुताबिक, इन कंपनियों की डिटेल और इनके खातों की बड़ी देनदारी को भी छिपाया गया है।

पाकिस्तान के चुनाव आयोग के मुताबिक, पीटीआई ने पार्टी फंड में दी जाने वाली या चंदे की गलत जानकारी मुहैया करवाई है। इसमें यहां तक कहा गया है कि स्टेट बैंक आफ पाकिस्तान की रिपोर्ट बताती है कि पीटीआई को लाखों डालर की रकम बतौर चंदा मिली है। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब उन लोगों और उनके बैंक अकाउंट्स को पता लगाकर खंगाला जा रहा है, जहां से ये रकम आई है। रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी को लेकर हुए इस खुलासे के बाद अब इमरान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि, रिपोर्ट में इस बात का जिक्र नहीं किया गया है कि इसमें कुछ गलत हुआ है। इसके बाद भी कई तरह के सवाल जरूर खड़े हो रहे हैं।

आपको बता दें कि इमरान खान खुद को और अपनी सरकार को पाक-साफ बताते रहे हैं। वर्ष 2018 के चुनाव में वो देश को एक भ्रष्टाचार मुक्त सरकार देने और एक नया पाकिस्तान बनाने के मुद्दे पर ही सत्ता तक पहुंचे थे, लेकिन हकीकत इससे उलट होती हुई दिखाई दे रही है। देश की विपक्षी पार्टियां लगातार एकजुट होकर इमरान खान की सरकार पर भ्रष्ट्राचार में लिप्त होने, देश को कर्ज में डुबोने, पाकिस्तान को भुखमरी की कगार पर पहुंचाने, वैश्विक मंच पर देश की छवि खराब करने को लेकर हमलावर होती रही हैं। अब इस रिपोर्ट के खुलासे के बाद इन विपक्षी पार्टियों को एक नया मुद्दा मिल गया है।

खबर में कहा गया है कि इमरान खान अपनी पार्टी को मिले चंदे की किसी भी तरह से जांच कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इसका स्वागत किया है। सरकार की तरफ से ये भी कहा गया है कि पार्टी चंदे को लेकर सारी डिटेल देने को भी तैयार है। इसमें कुछ भी गलत नहीं किया गया है। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में चुनाव आयोग की सिक्योरिटी कमेटी ने पीटीआई को मिले विदेशी चंदे का आडिट किया था। पिछले वर्ष नवंबर में ही इस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट कमीशन को सबमिट की थी। इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद पीएमएल-एन और पीपीपी ने सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग से इमरान खान की पार्टी के खिलाफ मामला दर्ज करने की अपील की है। वहीं, पलटवार करते हुए पीटीआई ने चुनाव आयोग से अपील की है कि वो इन दोनों पार्टियों को मिले चंदे का भी आडिट करे।

उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण, अमेरिका और द.कोरियाई ने जाहिर की चिंता

प्योंगयॉग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया है।रिपोर्ट के मुताबिक यह परीक्षण बुधवार, 5 जनवरी को किया गया।मिसाइल ने सफलतापूर्वक 700 किलोमीटर दूर अपने लक्ष्य पर निशाना लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते साल अक्टूबर के बाद उत्तर कोरिया ने पहला मिसाइल परीक्षण किया है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया, जापान ने भी इसकी पुष्टि कर उत्तर कोरिया की आलोचना भी की है। वैसे, उत्तर कोरिया ने पहली बार बीते साल सितंबर में हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण किया था।परीक्षण के साथ ही वह ये क्षमता हासिल करने वाले दुनिया के चुनिंदा देशों में शामिल हो गया था।हालांकि उ.कोरिया के आक्रामक परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम की पूरी दुनिया में आलोचना भी होती रही है।

हाइपरसोनिक मिसाइल की रफ्तार आवाज से 5 गुना ज्यादा है।यानी जितनी देर में व्यक्ति की आवाज दूसरे के कान तक पहुंचे, उसके एक-चौथाई से भी कम समय में पहुंच सकती है। इसकी रफ्तार करीब 6,200 किलोमीटर प्रतिघंटा है। यानी, नई दिल्ली से न्यूयॉर्क की लगभग 11,747 किलोमीटर की दूरी 2 घंटे से कम में नाप सकती है। इसकी एक और खासियत ये है कि यह बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है।इस परीक्षण के जरिए परख लिया गया है कि ये मिसाइल तेज ठंड के मौसम भी सफलतापूर्वक दागी जा सकती है।

वरिष्ठ विशेषज्ञ कहते हैं, उ. कोरिया ने हाइपरसोनिक मिसाइल की उपयोगिता को अच्छी तरह समझ लिया है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के पास मौजूद मिसाइल डिफेंस प्रणालियों का मुकाबला करने के लिहाज से उत्तर कोरिया के लिए हाइपरसोनिक मिसाइल-सिस्टम बहुत काम आने वाला है। वह इस वक्त दो स्तर की हाइपरसोनिक मिसाइल विकसित कर चुका है।जिसका परीक्षण बीते साल सितंबर में किया था। जिसका परीक्षण अभी बुधवार, 5 जनवरी को हुआ है।नई मिसाइल ह्वासोंग-8 का ही सुधरा हुआ संस्करण है।

विस्तार एयरलाइन से मात्र 977 में करें हवाई यात्रा

मुंबई (ईएमएस)। रतन टाटा की एविएशन कंपनी ?विस्तार एयरलाइन 1000 रुपए से कम में हवाई यात्रा करने का मौका दे रही है। ?विस्तारा ने 48 घंटों की स्पेशल सेल ऑफर की है। यह सेल गुरुवार से शुरू हो गई है। वास्तव में कंपनी 7वीं एनिवर्सरी सेलिब्रेट कर रही है। जिसकी वजह से यह सेल ऑफर की गई है। गौरतलब है ?कि विस्तारा एयरलाइन, टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड और एसआईए का जॉइंट एंटिटी है। कंपनी ने डॉमेस्टिक और इंटरनेशनल नेटवर्क पर स्पेशल फेयर की घोषणा की है। घरेलू हवाई उड़ान का किराया इकोनॉमी क्लास के लिए 977 से शुरू होकर 2677 रुपए तक है। प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास के लिए यह किराया 9777 रुपए है। अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए भी कंपनी ने नए किराए की घोषणा की गई है। यह स्पेशल ऑफर इस वर्ष 30 सितंबर तक यात्रा के लिए है। इस ऑफर का लाभ लेने के लिए टिकट की बुकिंग विस्तारा की वेबसाइट, आईओएस और एंड्रॉइड मोबाइल ऐप, विस्तारा के एयरपोर्ट टिकट ऑफिस, कॉल सेंटर के माध्यम से, ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों और ट्रैवल एजेंटों के माध्यम से की जा सकती है।

संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों पर दक्षिण लेबनान में हमला

बेरूत (ईएमएस)। अज्ञात हमलावरों ने दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के एक समूह पर हमला किया, उनके वाहनों में तोड़-फोड़ की और उनके सामान छीन लिए। संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यूनान में संयुक्त राष्ट्र के अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) ने लेबनान के अधिकारियों से मामले की त्वरित जांच करने और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। यह जानकारी यूएनआईएफआईएल की एक प्रेस अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि घटना हाल ही की है। वहीं स्थानीय मीडिया ने अपनी खबर में कहा कि दक्षिणी कस्बे बिंट जबील के लोग आयरलैंड के शांतिरक्षकों से भिड़ गए क्योंकि वे घरों की तस्वीरें ले रहे थे। खबर में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्र बल के साथ लेबनान के सैनिक नहीं थे। संयुक्त राष्ट्र ने इन खबरों से इनकार किया कि शांतिरक्षक घरों की तस्वीरें ले रहे थे। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने न्यूयॉर्क में कहा ?कि वे नियमित गश्त के लिए लेबनान सशस्त्र बलों के अपने सहयोगियों के पास जा रहे थे। उन्होंने कहा ?कि संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों की आवाजाही की स्वतंत्रता का सम्मान करने की मांग करता है, जो संयुक्त राष्ट्र और लेबनान की सरकार के बीच बलों के समझौते के तहत अनिवार्य है और जो 2006 के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव के तहत भी आता है। गौरतलब है कि बिंट जबील हिजबुल्ला का गढ़ है और 2006 के युद्ध के दौरान इसका अधिकतर हिस्सा तबाह हो गया था। जो अफवाह फैलाई जा रही है उससे ठीक विपरीत शांतिरक्षक नियमित गश्त के लिए लेबनान के सैनिकों के पास जा रहे थे। उन्होंने कहा ?कि यूएनआईएफआईएल हमले की निंदा करता है। यूएनआईएफआईएल का गठन 1978 के हमले के बाद इजराइली सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए किया गया था। इजराइल और हिजबुल्ला के बीच 2006 में एक माह तक चले युद्ध के बाद मिशन को बढ़ा दिया गया था।

एफटीए के तहत भारतीयों को वीजा नियमों में ढील नहीं!

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इस धारणा को खारिज करने की कोशिश की कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारतीयों के लिए वीजा नियमों में ढील दी जाएगी। साप्ताहिक प्रधानमंत्री के प्रश्न सत्र के दौरान जॉनसन की कंजरवेटिव पार्टी के एक सांसद ने मीडिया में आईं उन रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया मांगी। इसमें भारत के लिए एफटीए को और अधिक आकर्षक बनाने के मद्देनजर भारतीय पेशेवरों और छात्रों के लिए आसान वीजा नियम बनाने का दावा किया गया था। जानकारी के मुता?बिक कंजरवेटिव सांसद सर एडवर्ड लेह ने जॉनसन से पूछा कि क्या भारत के साथ व्यापार समझौते को सुरक्षित करने के लिए वीजा नियंत्रण में छूट का इरादा है। जॉनसन ने कहा ?कि हम उस आधार पर मुक्त व्यापार समझौते नहीं करते हैं। सदन में सांसद एडवर्ड का प्रश्न उन रिपोर्ट पर आधरित है, जिसके अनुसार ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार सचिव ऐने मैरी ट्रेवेलियन के इस महीने के अंत में एफटीए वार्ता शुरू करने के लिए दिल्ली की यात्रा करने की उम्मीद है। इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं कि वह ब्रिटेन के एफटीए के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलिया के समान वीजा योजना की पेशकश कर सकती हैं। इस तरह की योजना से भारतीय युवाओं को ब्रिटेन आने और वहां तीन साल तक काम करने का मौका मिलेगा।

ग्रैमी अवार्ड्स समारोह स्थगित

लॉस एंजिलिस (ईएमएस)। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों के बीच लॉस एंजिलिस में आयोजित होने वाले ग्रैमी अवार्ड्स समारोह को स्थगित कर दिया गया। यह समारोह 31 जनवरी को लॉस एंजिलिस के क्रिप्टो डॉट कॉम एरिना में आयोजित किया जाना था। समारोह के लिए नई तारीख की घोषणा अभी नहीं की गई है। रिकॉर्डिंग एकेडमी ने कहा कि शहर और राज्य के अधिकारियों, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विशेषज्ञों, कलाकार समुदाय और हमारे कई सहयोगियों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद कार्यक्रम स्थगित करने का निर्णय किया गया। रिकॉर्डिंग एकेडमी ने एक बयान में कहा ?कि ओमीक्रोन के कारण 31 जनवरी को कार्यक्रम आयोजित करने में बहुत अधिक खतरा था। पिछले साल भी कोविड-19 संबंधी चिंताओं के कारण इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था। 2021 में जनवरी में इसे स्थगित कर मध्य मार्च में लॉस एंजिलिस के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया था। ग्रैमी के अलावा पिछले वर्ष कई बड़े पुरस्कार समारोह भी स्थगित किए गए थे।

कोरोना की तीसरी लहर आते ही बढ़ी ऑनलाइन शॉपिंग!

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोरोना की तीसरी लहर ने देश में दस्तक दे दी है। तमाम राज्यों ने नाइट कर्फ्यू से लेकर बाकी हर तरह के उपाय भी करने शुरू कर दिए हैं। दिल्ली में तो वीकेंड कर्फ्यू तक लगाया जाने लगा है। जगह-जगह कई तरह के प्रतिबंध लगने लगे हैं। ऐसे में लोगों ने भी एहतियात के तौर पर एक बार फिर से घरों से बाहर निकलना कम कर दिया है और तमाम सामान ऑनलाइन ही ऑर्डर किए जा रहे हैं। पिछले 7 दिनों में पैकेज्ड फूड, साबुन और हाइजीन समेत तमाम तरह के प्रोडक्ट्स की ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म सेल में एक तेजी देखने को मिली है। ग्राहकों की तरफ से तमाम सामान मंगाकर आने वाले दिनों के लिए रखने की वजह से भी सेल्स में तेजी आई है। चॉकलेट और बेवरेजेज की सेल्स में करीब दोगुनी तेजी आई है, जबकि तमाम कैटेगरीज में लगभग 10-15 फीसदी तक का उछाल देखने को मिला है। कंपनियों का कहना है कि वह बढ़ी हुई मांग से निपटने के लिए तैयार हैं। पार्ले प्रोडक्ट्स के सीनियर कैटेगरी हेड मयंक शाह कहते हैं कि हफ्ते दर हफ्ते के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर सेल्स में करीब 15 फीसदी की तेजी आई है। वह बोले कि यह तब तक जारी रहने की उम्मीद है, जब तक कोरोना की तीसरी लहर जारी रहेगी। ऑनलाइन ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट के प्रवक्ता ने कहा है कि पैकेज्ड फूड और हाइजीन प्रोडक्ट्स की सेल्स पिछले एक हफ्ते में दोगुनी हो गई है। एन95 मास्क की सेल्स में करीब 5 गुना की तेजी आई है। जिन कंपनियों ने कोरोना की दूसरी लहर के बाद मांग कम होने पर मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई में कटौती की थी, वह एक बार फिर से मांग से निपटने के लिए मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई को बढ़ा रही हैं।

कोरोना संक्रमण किसी को भी हो सकता है, सावधान रहें, मास्क पहनें और भीड़ से बचें: विशेषज्ञ

- अमेरिका में 10 लाख कोरोना मामले सामने आए

वाशिंगटन (ईएमएस)। दुनिया के ज्यादातर देशों में कोरोना की नई लहर आ चुकी है। संक्रमण के मामले हर रोज नए रेकॉर्ड बना रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग कोरोना पॉजिटिव हो रहे हैं, जिनमें वैक्सीन लगवा चुके लोग भी शामिल हैं। अमेरिका में 10 लाख कोरोना मामले सामने आ चुके हैं जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इन सब के लिए जिम्मेदार है कोरोना का नया वेरिएंट-ओमीक्रोन। ओमीक्रोन को लेकर तमाम खौफजदा खबरों के बीच कुछ राहत देने वाली खबरें भी आ रही हैं। इस वेरिएंट के बारे में फिलहाल ज्यादा उपलब्ध नहीं है लेकिन विशेषज्ञों के मुताबिक यह हल्के लक्षणों वाला अत्यधिक संक्रामक वेरिएंट है। संक्रमण के आंकड़े और ओमीक्रोन को लेकर सामने आने वाली रिपोर्ट्स से डर का माहौल बन रहा है। इस बीच अमेरिकी विशेषज्ञ और यूनिवर्सिटी ऑफ मैरीलैंड में संक्रामक रोगों के प्रमुख फहीम युनुस ने राहत और हौसला देने वाली बात कही है। फहीम उन दावों को खारिज करते हैं जिनमें कहा जा रहा है कि ओमीक्रोन से बचना किसी के लिए भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आप इस संक्रमण से बच सकते हैं और आपको इससे बचना चाहिए। फहीम ने अपने ट्वीट में लिखा ?कि यह एक खतरनाक और लापरवाह विचार है कि ओमीक्रोन इतना ज्यादा संक्रामक है कि सभी इसकी चपेट में आ जाएंगे। इसे रोकने की कोशिश करने का कोई मतलब नहीं है। यह सबसे अच्छी वैक्सीन है। कृपया इस पर विश्वास न करें। मास्क पहनें और भीड़ से बचें। कुछ ही हफ्तों में यह लहर खत्म हो जाएगी।

ओमीक्रोन से बचने के लिए कई देश बूस्टर डोज का विकल्प अपना रहे हैं। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश अपने नागरिकों को तीसरी खुराक लगाना शुरू कर चुके हैं। भारत में भी बुजुर्गों और खतरे के करीब लोगों को 10 जनवरी से बूस्टर डोज लगाई जाएगी। इसके लिए भारत बायोटेक की नेजल वैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल चुकी है। इन सब के बीच इजरायल जैसे देश भी हैं जहां लोगों को दो बूस्टर डोज यानी वैक्सीन की चार खुराकें दी जा रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कोविड-19 के मामलों में बेतहाशा वृद्धि के बीच लोगों से एहतियात बरतने की अपील की है। अमेरिकी प्रशासन कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के मामलों में वृद्धि को लेकर जांच की कमी, विद्यालयों को बंद करने समेत कई समस्याओं से निपटने के लिए संघर्ष कर रहा है।

कमजोर वर्गों के लिए भी कोविड की सस्ती दवा लाएगी फाइजर

नई दिल्ली (ईएमएस)। जल्द ही अमेरिका की फार्मा कंपनी फाइजर आर्थिक रूप से कमजोर देशों के लिए कोरोना की सस्ती दवा लाने की योजना बना रही है। कंपनी की तरफ से यह सस्ती दवा भारत को भी दी जाएगी। अभी इस दवा को लॉन्च करने में देरी हो रही है, जिसकी वजह से फिलहाल एक अंतरिम उपाय के तौर पर कोविड एंटीवायरल ड्रग पैक्सलोविड को आर्थिक रूप से कमजोर देशों को दिया जा रहा है। पिछले ही हफ्ते कोविड एंटीवायरल ड्रग मोलनुपिराविर के जेनेरिक वर्जन को भारत में मंजूरी मिली है। इसके पूरे कोर्स के लिए व्यक्ति को करीब 1400 रुपए खर्च करने होंगे, जो अभी के हिसाब से सबसे किफायती दवा है। भारत समेत कई देशों के साथ पैक्सलोविड को लेकर बात चल रही है। कई देशों के साथ तो कंपनी ने एडवांस पर्चेस एग्रीमेंट भी कर लिया है। हालांकि, अभी तक फाइजर ने भारत में इसके इमर्जेंसी इस्तेमाल की मंजूरी के लिए आवेदन नहीं किया है। ओमिक्रोन की वजह से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और फाइजर की पैक्सलोविड दवा तमाम वैरिएंट्स पर काफी प्रभावी है। इसे अमेरिका और यूके समेत की देशों में इमर्जेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल चुकी है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित मेडिसिंस पेटेंट पूल ने नवंबर में फाइजर के साथ एक लाइसेंस एग्रीमेंट किया था, जिसके तहत फाइजर कंपनी को पैक्सलोविड के लिए सब-लाइसेंस देने की इजाजत मिली है।

यह दवा भारत समेत 95 कम और मध्यम आय वाले देशों को भेजी जाएगी। फाइजर के प्रवक्ता ने कहा है कि जिन सस्ती दवाओं पर काम चल रहा है, अभी वह इस साल नहीं आ सकेंगी, इसी के तहत कंपनी कम और मध्य आय वाले देशों के अंतरिम विकल्प के तौर पर सस्ते में यह दवा दे रही है। भारत की जिन दवा निर्माता कंपनियों ने फाइजर की एंटी वायरल दवा के सब-लाइसेंस के लिए आवेदन किया है, उनके अधिकारियों का कहना है कि दवा बनाने की प्रक्रिया अभी चल रही है। एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि अगर सब-लाइसेंस बहुत जल्दी भी मिल जाता है तो हम सिर्फ दो महीने में ये दवा बनाकर उसके इमर्जेंसी इस्तेमाल की मंजूरी नहीं ले पाएंगे।

चीन ने जमींदोज की 99 फुट ऊंची बुद्ध की मूर्ति, भिक्षुओं को देखने पर मजबूर किया

- विदेशी और रक्षा मामलों के जानकार ब्रह्मा चेलानी ने ट्विटर पर लिखा- तालिबान के नक्शेकदम पर चल रहा चीन

पेइचिंग (ईएमएस)। चीनी अधिकारियों ने एक 99 फुट ऊंची बुद्ध प्रतिमा को ध्वस्त कर दिया और बौद्ध भिक्षुओं को इसे देखने के लिए मजबूर किया। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक मूर्ति को लेकर कुछ आधिकारिक शिकायतें आई थीं जिसमें कहा गया था यह बहुत ऊंची है। लिहाजा अधिकारियों ने ड्रैगो काउंटी स्थित प्रतिमा को नष्ट कर दिया। इसे तोड़ने में 9 दिनों का समय लगा जो 12 दिसंबर से शुरू हुए थे। रेडियो फ्री एशिया ने सैटेलाइट तस्वीरों से इस ध्वस्तीकरण की पुष्टि की है। यह मूर्ति एक बड़े सफेद छाते के नीचे खड़ी थी जहां पर अब सिर्फ मलबे का ढेर मौजूद है। भारत में रहने वाले एक तिब्बती ने कहा यह बिल्कुल 1966-76 की सांस्कृतिक क्रांति जैसा है जब चीनी सरकार ने तिब्बत में हर पुरानी चीज को नष्ट कर दिया था। हालांकि यह मूर्ति अपेक्षाकृत नई थी और इसका विनाश हाल के सालों में चीनी शासन की बढ़ती क्रूरता की ओर इशारा करता है। विदेशी और रक्षा मामलों के जानकार ब्रह्मा चेलानी ने चीन की इस कार्रवाई की तुलना तालिबान से की है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा ?कि चीन तालिबान के नक्शेकदम पर चल रहा है। तालिबान के बामियान बुद्धों के विनाश के बाद चीनी अधिकारियों ने सिचुआन के एक तिब्बती क्षेत्र में भगवान बुद्ध की 99 फुट की प्रतिष्ठित मूर्ति को ध्वस्त कर दिया और तिब्बती भिक्षुओं को यह विनाश देखने के लिए मजबूर किया।

रिपोर्ट के मुताबिक चीनी अधिकारियों ने थोसेम गत्सेल मठ के भिक्षुओं और चुवार और आसपास के अन्य शहरों में रहने वाले तिब्बतियों को यह विध्वंस देखने के लिए मजबूर किया। तालिबान ने अमेरिकी हमले से पहले अपने पहले शासनकाल के दौरान अफगानिस्तान में अनगिनत धार्मिक मूर्तियों को तोड़ दिया था। तालिबान का सबसे प्रमुख टारगेट बामियान में बुद्ध की दो विशाल मूर्तियां थीं जिन्हें छठी शताब्दी में बनाया गया था। अफगानिस्तान के बामियान में भगवान बुद्ध की मूर्तियों पर लगातार तालिबान का कहर बरस रहा है। इससे तालिबान का असली चेहरा एक बार फिर बेनकाब हो गया है। अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबान लगातार 'उदार' बनने का ढोंग कर रहा है लेकिन सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में उसकी पोल खुल गई है। वीडियो में तालिबानी लड़ाकों को बामियान की मूर्तियों पर गोलियां बरसाते हुए देखा जा सकता है। वीडियो के साथ लिखा है कि 20 साल पहले तालिबान ने इन मूर्तियों को उड़ा दिया था।

जनता-जनार्दन के विशाल हित में वाइब्रेंट समिट को फिलहाल स्थगित रखने का मुख्यमंत्री का निर्णय

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कोरोना वायरस की वर्तमान स्थिति को देखते हुए राज्य के सभी नागरिकों के विशाल हित में आगामी 10 से 12 जनवरी, 2022 के दौरान आयोजित होने वाली वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को फिलहाल स्थगित रखने का निर्णय किया है। कोरोना वायरस और उसके नए वैरिएंट ओमिक्रोन का प्रसार राज्य में और न बढ़े उस बात की संपूर्ण सतर्कता रखते हुए और इस महामारी का संक्रमण बढ़ने से रोकने के मकसद से मुख्यमंत्री ने बुधवार को गांधीनगर में स्थिति की सर्वग्राही समीक्षा करते हुए यह निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि राज्य में कोरोना संक्रमण के मामलों में पिछले एकाध सप्ताह से फिर से बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकार के सघन टीकाकरण, ट्रेसिंग और ट्रैकिंग के चलते स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है और कल यानी बुधवार को राज्य में कोरोना मरीजों के ठीक होने की दर यानी रिकवरी रेट 97.48 फीसदी दर्ज किया गया है। कोरोना संक्रमण के साथ उसके नए वैरिएंट ओमिक्रोन के मामले भी सामने आए हैं। ओमिक्रोन के मरीजों के उपचार और आइसोलेशन आदि के लिए राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र पूरी एहतियात बरत रहा है। दुनियाभर में इस महामारी के मामले फिर से बढ़ रहे हैं और विभिन्न देशों में भी संक्रमण बढ़ा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस समिट के आयोजन के लिए निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रेरणा दे रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विशेष आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री हमेशा से मानव जाति के कल्याण, सुख, सलामती और स्वास्थ्य कल्याण के हितचिंतक रहे हैं। पटेल ने कहा कि गुजरात विकास का वैश्विक मॉडल है और वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट दुनियाभर के पूंजीनिवेशकों, उद्यमियों और निवेशकों के लिए एक सक्षम प्लेटफॉर्म बन रही है। इस समिट में भाग लेने के लिए विभिन्न देशों प्रमुखों, महानुभावों, उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों तथा देशभर के उद्योग-व्यापार जगत के संचालकों ने उत्साह दिखाया था और रजिस्ट्रेशन भी कराया था। यह 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट राज्य को विश्व व्यापार-उद्योग के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाए उस प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार ने उसका समयबद्ध आयोजन किया था। समिट में पार्टनर कंट्री के तौर पर जुड़े देशों तथा समिट में शिरकत करने वाले महानुभावों और प्रतिनिधिमंडल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी उनकी ओर से ऐसी ही उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिलेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस समिट से पूर्व आयोजित प्री-वाइब्रेंट समिट की सफलता में सहयोगी बने केंद्र सरकार के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने बहुत कम समय में ऐसी समिट के आयोजन को सफल बनाने के लिए राज्य सरकार के विभिन्न विभागों, इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और व्यापार-उद्योग मंडलों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की है।

मकर संक्रांति से पूर्व पुलिस ने 7 लाख से अधिक कीमत का चाइनीज मांझा जब्त किया

अहमदाबाद (ईएमएस) एसओजी पुलिस ने मकर संक्राति के त्यौहार से पहले जिले के धोलका से रु. 7 लाख से अधिक कीमत का चाइनीज मांजा समेत तीन शख्सों को गिरफ्तार किया है। मकर सक्रांति के नजदीक आने के साथ ही पतंगों का जिक्र भी शुरू हो गया है। कई शहरों में पंतगों का बाजार भी लग गया है और एक बार फिर चर्चा में है चाइनीज मांझा। गुजरात सरकार ने चाइनीज मांझा पर प्रतिबंध लगा रखा है। दरअसल यह मांझा इतना खतरनाक होता है कि इससे हरसाल कई लोगों की मौत हो जाती है और कई घायल हो जाते हैं। चाइनीज मांझा को काफी ज्यादा खतरनाक माना जाता है इस वजह से इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस बीच अहमदाबाद एसओजी को सूचना मिली थी कि जिले के धोलका शहर में चाइनीज मांझा धडल्ले से बिक रहा है। सूचना के आधार पर एसओजी पुलिस ने धोलका के दीपक राणा नामक शख्स को 302 नंग चाइनीज मांजा के साथ दबोच लिया। इसके अलावा दस्क्रोई तहसील के काशीन्द्रा गांव के निकट ग्रीन सोसायटी में रहनेवाले उत्तम ठाकोर और धरम ठाकोर को 1090 चाइनीज मांझा की रील के साथ गिरफ्तार कर लिया। अहमदाबाद एसओजी के पीएसआई एमडी जयस्वाल ने बताया कि गिरफ्तारी के आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि तीनों पिछले काफी समय से मौसम व्यवसाय कर रहे हैं। कम पूंजी लगाकर ज्यादा मुनाफा कमाने के उद्देश्य से आरोपी उत्तरायण पर चाइनीज मांझा बेचने के लिए लाए थे और थोक में इसकी बिक्री करते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से रु. 7 लाख से अधिक कीमत का मांझा जब्त किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी चाइनीज मांझा कहां से लाए थे और अब तक कितने लोगों को बेच चुके हैं, इस बारे में पूछताछ कर रही है। पुलिस की पूछताछ में चाइनीज मांझा के किसी बड़े व्यापारी का नाम आने की संभावना है।

भाजपा सरकार को वाइब्रेंट समिट स्थगित करने की कांग्रेस मांग स्वीकारनी पड़ी : जगदीश ठाकोर

अहमदाबाद (ईएमएस) कोरोना के लगातार बढ़ते मामले, तीसरी लहर की डर के बीच गुजरात के हित में बार बार वाइब्रेंट समिट बंद करने की कांग्रेस की मांग को आखिरकार राज्य की असंवेदनशील भाजपा सरकार को स्वीकार करनी पड़ी है। आगामी 10 जनवरी से होनेवाली वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल समिट स्थगित होने के ऐलान के बाद गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने कहा कि कोरोना महामारी में भाजपा सरकार की आपराधिक लापरवाही, आयोजन के अभाव और स्वास्थ्य सेवा की निष्फलता, अक्षम प्रशासन के कारण गुजरात और देश में लाखों नागरिकों ने अपनी जान गंवाई है। गुजरात में कोरोना के नए वेरिएन्ट ओमिक्रॉन और मृतकों के सही आंकड़े श्वेत पत्र के रूप में जारी करने की मांग करते हुए जगदीश ठाकोर ने कहा कि नमस्ते ट्रम्प कार्यक्रम का आयोजन करने वाली भाजपा सरकार की वजह से गुजरात के लाखों नागरिकों ने जान गंवाई है। ऐसे में फिर एक बार गुजरात के नागरिकों का जीवन बचाने के लिए सरकार को गंभीर होने की जरूरत है। कोरोना के लगातार बढ़ते केस और तीसरी लहर की दहशत के बीच गुजरात के हित में बार बार वाइब्रेंट समिट बंद करने की कांग्रेस मांग कर रही थी। जिसे आखिरकार राज्य की असंवेदनशील भाजपा सरकार को स्वीकार करना पड़ा है। भाजपा सरकार की अक्षमता की वजह से कोरोना की पहली और दूसरी लहर में ऑक्सीजन, बेड, रेमडेसिवीर इंजेक्शन, दवाइयां समेत स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के चलते गुजरात की जनता को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने मांग की है कि कोरोनाकाल के दौरान निष्फल कार्यवाही, स्वास्थ्य तंत्र की असुविधा और मृतकों के सही आंकड़े श्वेत पत्र के रूप में भाजपा सरकार को जारी करने चाहिए। प्रदेश कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर के चलते राज्य में बड़ी संख्या में बच्चे संक्रमित हो रहे हैं। पिछले दो वर्ष में कोरोना महामारी का अनुभव होने के बावजूद भाजपा सरकार द्वारा कोई ठोक वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था गुजरात के बच्चों को उपलब्ध कराने में निष्फल साबित हुई है। जिसकी वजह से गुजरात में शिक्षा क्षेत्र में गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की बार बार लताड़ के बावजूद भाजपा सरकार गुजरात के नागरिकों को योग्य और पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में निष्फल रही है। तीसरी लहर में भाजपा सरकार के अक्षम प्रशासन और अव्यवस्था के कारण गुजरात की जनता कोई मुश्किल नहीं हो इसके लिए कांग्रेस आगामी दिनों में कंट्रोल रूम शरू करेगी। कोविड होस्पिटल, ऑक्सीजन सप्लाई सेंटर, टेस्टिंग सेंटर समेत स्वास्थ्य व्यवस्था का कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल स्वयं निरीक्षण करेगा और गुजरात के नागरिकों को सुदृढ़ व्यवस्था मिले यह सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वैश्विक महामारी कोरोना को काफी गंभीरता से ले रही है। गुजरात के 6 करोड़ नागरिकों के हित में कांग्रेस सभी सार्वजनिक कार्यक्रम कोरोना गाइडलाइन के साथ आगे बढ़ेगी और भीड़भाड़ वाले कार्यक्रमों से दूर रहेगी।

जन स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वाइब्रेंट समिट स्थगित की गई : जीतु वाघाणी

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल समिटि 2022 को स्थगित कर दिया है। इस संदर्भ में राज्य सरकार के प्रवक्ता और शिक्षा मंत्री जीतु वाघाणी ने बताया कि कोरोना की मौजूदा स्थिति और जन स्वास्थ्य की चिंता करते हुए सरकार ने वाइब्रेंट समिट रद्द करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि देश-विदेश के लोगों ने वाइब्रेंट समिट में पूरा साथ दिया है और इस वाइब्रेंट समिट के जरिए गुजरात की एक अलग पहचान कायम हुई है। वाइब्रेंट समिट की वजह से गुजरात एक नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। गुजरात सरकार ने जब वाइब्रेंट समिट की शुरुआत की थी, तब देश-विदेश में ऐसी स्थिति नहीं थी। लेकिन कोरोना की मौजूदा स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल समिट को रद्द करने का फैसला किया है। प्रवक्ता मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार लगातार कोरोना की स्थिति का मोनिटरींग कर रही है। बता दें कि आगामी 10 जनवरी से 12 जनवरी 2022 के दौरान वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल समिट 2022 का आयोजन किया गया था। लेकिन राज्य में कोरोना संक्रमण लगातार बढ़ रहा है, जिसे देखते हुए सरकार ने इसे स्थगित करने का फैसला किया है। वाइब्रेंट समिट को लेकर पिछले कई दिनों से गांधीनगर में जोरदार तैयारियां की जा रही थी। वाइब्रेंट समिट को लेकर देश-विदेश में रोड शो समेत कई कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। लेकिन राज्य में कोरोना की स्थिति को देखते हुए वाइब्रेंट समिट के साथ पतंग उत्सव भी स्थगित कर दिया गया है।

सुरेन्द्रनगर के पाटडी तहसील के गेडिया गांव की घटना

पिता-भाई के एनकाउंटर की जांच के लिए किशोरी हाईकोर्ट पहुंची

सुरेन्द्रनगर, ६ जनवरी।

१४ वर्ष के भाई और पिता के एनकाउंटर की जांच के लिए किशोरी ने गुजरात हाईकोर्ट के समक्ष पीआईएल की है और पूरे मामले में उच्च स्तरीय समिति द्वारा जांच की मांग की है। इस मामले में हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस जेए. शास्त्री की खंडपीठ ने राज्य सरकार, पुलिस और संबंधित प्रतिवादीओं को नोटिस भेजा गया है।

मिली जानकारी के अनुसार सुरेन्द्रनगर जिले की सनसनी घटना में हाईकोर्ट ने कहा कि हम केस की सुनवाई करेंगे। किशोरी ने एफिडेविट विकी मेहता के द्वारा अर्जी की है। जिसमें सीनियर वकील यतिनभाई ओझा ने जनहित याचिका में ऐसी पेशकश की गई है कि, ९ दिसंबर-२०२१ को इसके पिता और १४ वर्ष का भाई सुरेन्द्रनगर में पुलिस एनकाउंटर में हत्या की गई थी। यह मामला पुलिस के शामिल होने से और पुलिस के खिलाफ आरोप लगने से पुलिस द्वारा शिकायत दर्ज नहीं की जाती है। जिसकी वजह से पुलिस को शिकायत दर्ज करने का आदेश दिया जाए। अर्जी में सुरेन्द्रनगर जिले के पाटडी तहसील के गेडिया गांव में पुलिस एनकाउंटर में अर्जीकर्ता किशोरी के पिता हनीफखान मलेक और भाई की हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस का दावा है कि, हनीफखान नामचीन गैंगस्टर था और इस पर ८६ क्रिमिनल केस थे, जबकि इसके बेटे की उम्र १८ वर्ष की थी। हालांकि अर्जी में मृतक भाई की उम्र किशोर उम्र की बेटी ने यह आरोप लगाया है कि, पुलिस सब इंस्पेक्टर और अन्य एक निजी वाहन में उनके घर पर आया था और पिता को खींचकर ले गया था। किशोरी ने अर्जी में बताये अनुसार पुलिस की कार्रवाई का विरोध करते पिता के पीछे भाई भी गया था। अब पीएसआई ने इसके भाई की छाती में गोली मार दी थी। बेटे को गोली लगने पर पिता भी चिढ़ गये थे और इसकी तरफ भागे थे। अब पुलिस ने उनको भी गोली मार दिया। दूसरी तरफ पुलिस यह दावा कर रही है कि दोनों लोग पुलिस के शिंकजे से भागने का प्रयास रहे होने से पुलिस को गोली चलानी अनिवार्य हो गया।

खराब मौसम की वजह से पाटिल का हेलीकॉप्टर नहीं उड़ा

गोंडल, ६ जनवरी।

गोंडल मार्केटिंग यार्ड में फिलहाल में चुनकर आये ७७ ग्राम पंचायत के सरपंच और सदस्यों का सम्मान समारोह और श्रमिक कार्ड वितरण कार्यक्रम गोंडल मार्केटिंग यार्ड में आयोजित किया गया। हालांकि, खराब मौसम की वजह से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल गोंडल नहीं जा सके। सीआर पाटिल पिछले एक सप्ताह में लगातार तीसरी बार राजकोट जिले के दौरे पर आने वाले थे। लेकिन खराब मौसम की वजह से वह गांधीनगर से निकल नहीं सके। उन्होंने दो घंटे एयरपोर्ट पर इंतजार किया था। लेकिन मौसम क्लियर नहीं होने से आखिर में उन्होंने गोंडल जाने का प्लान रद्द कर दिया था। उनका हेलीकॉप्टर गांधीनगर से ही नहीं उड़ सका था। गोंडल मार्केटिंग यार्ड में आयोजित हुए कार्यक्रम में राज्यमंत्री अरविंदभाई रैयाणी, मनसुखभाई खाचरिया, पूर्व विधायक जयराजसिंह जाडेजा और महेन्द्रसिंह सरवैया सहित के दिग्गज नेता उपस्थित रहे। शहर के राजमार्गों पर बाइक रैली के रूप में निकली मार्केटिंग यार्ड में पहुंची थी। जिसके बाद चुने गये सरपंचों और सदस्यों का सम्मान किया गया। इस मौके पर अरविंद रैयाणी ने बताया है कि, सामाजिक कोई भी काम नहीं रूकेगा। जनता की सुख सुविधा के लिए तुरंत निर्णय लेकर कार्यों को किया जाएगा। गोंडल से गांधीनगर के सीनयरों का संपर्क करके कार्यों के लिए जरूर से बताना है उल्लेखनीय है कि, सीआर पाटिल पिछले एक सप्ताह में लगातार तीसरी बार राजकोट जिले के दौरे पर आने वाले थे। सीआर पाटिल ने ३१ दिसंबर को राजकोट के भव्य रोड शो में उपस्थित हुए थे।

कोरोना संक्रमण के चलते गृह मंत्री हर्ष संघवी के जन्मदिन पर होनेवाला जोब फेर स्थगित

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना के लगातार मामले बढ़ते देख राज्य सरकार ने भीड़ एकत्र हो ऐसे कार्यक्रमों को स्थगित करने का फैसला किया है। इसके अंतर्गत आगामी वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट, पतंग उत्सव और अहमदाबाद में होनेवाला फ्लावर शो स्थगित कर दिया गया है। इसी के साथ गृह राज्यमंत्री हर्ष संघव के जन्म दिन पर होनेवाला जोब फेर भी स्थगित कर दिया गया है। हर्ष संघवी के जन्म दिन पर सूरत में रोजगार मेला का आयोजन किया गया था। लेकिन राज्य में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के चलते इसे स्थगित करने की घोषणा स्वयं गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने की है। हर्ष संघवी ने ट्वीट कर बताया 'पिछले कई दिनों से राज्य में कोरोना के केसों में लगातार वृद्धि हो रही है। ऐसे में जनता के हितों को सर्वोपरी रखते हुए मेरे जन्म दिन पर होनेवाले नमो जोब फेर-2022 के सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। आगामी दिनों में परिस्थितियों के अधीन इन कार्यक्रमों की तारीख का ऐलान किया जाएगा। गौरतलब है कि राज्य में कोरोना संक्रमण बढ़ने के चलते वाइब्रेंट गुजरात ग्लॉबल समिट 2022 स्थगित कर दी गई। जिसके बाद राजस्व मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने अहमदाबाद रिवरफ्रंट पर होनेवाले फ्लावर शो और पतंग महोत्सव को भी रद्द करने का ऐलान किया। बाद में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने अपने जन्म दिन पर होनेवाले नमो जोब फेर 2022 के सभी कार्यक्रम स्थगित करने की ट्वीट कर जानकारी दी। बता दें कि साबरमती रिवरफ्रंट पर होनेवाले फ्लावर शो रद्द करने की कांग्रेस ने मांग की थी। इस संदर्भ में चांदखेडा से कांग्रेस की नगर पार्षद राजश्री केसरी ने गुजरात हाईकोर्ट के द्वार भी खटखटाए थे। हांलाकि हाईकोर्ट इस मामले में कोई सुनवाई करे उससे पहले ही सरकार ने फ्लावर शो रद्द कर दिया है।

24 घंटों में गुजरात में कोरोना के 4213 नए मरीज, सबसे अधिक अहमदाबाद शहर में 1835

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। 24 घंटों के भीतर गुजरात में कोरोना के 4213 नए मरीज सामने आए हैं, जिसमें सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1835 केस दर्ज हुए हैं। राज्य में कोरोना के सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 14 हजार को पार कर गया है। कोरोना से आज एक मरीज की मौत हो गई। राज्य में रिकवरी रेट भी घटकर 97.10 प्रतिशत रह गया है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1835 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए हैं। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 1105, राजकोट कॉर्पोरेशन में 183, आणंद में 112, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 103, सूरत में 88, कच्छ में 77, खेडा में 66, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 59, वलसाड में 58, नवसारी में 46, भरुच में 43, राजकोट में 41, भावनगर कॉर्पोरेशन में 38, गांधीनगर में 32, जामनगर कॉर्पोरेशन में 30, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 30, अहमदाबाद में 27, साबरकांठा में 23, मेहसाणा में 22, देवभूमि द्वारका में 18, मोरबी में 18, पंचमहल में 18, सुरेन्द्रनगर में 17, अमरेली में 16, दाहोद में 15, गिर सोमनाथ में 15, तापी में 14, वडोदरा में 13, बनासकांठा में 12, अरवल्ली में 11, महीसागर में 7, नर्मदा में 6, पोरबंदर में 5, छोटा उदेपुर में 3, जामनगर में 3, भावनगर में 2 और जूनागढ़ में 2 समेत राज्य में कोरोना के कुल 4213 मरीज पिछले 24 घंटों दर्ज हुए हैं। जबकि 860 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया। राज्य के 30 जिले और 8 महानगरों में कोरोना की एन्ट्री हो चुकी है। बोटाद, डांग और पाटन फिलहाल कोरोना से सुरक्षित है, जहां कोरोना का एक भी केस नहीं है। गुरुवार को तापी में एक मरीज की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 10127 हो गया है। वहीं 820383 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। गुजरात में कोरोना एक्टिव केसों की संख्या 14346 पर पहुंच गई है, जिसमें 14317 स्टेबल हैं और 29 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। आज राज्य में 501409 नागरिकों का टीकाकरण किया गया। जिसमें 18 हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर को पहला और 270 को कोरोना का दूसरा डोज दिया गया। 45 वर्ष से अधिक आयु के 9303 को पहला और 30053 नागरिकों को दूसरा टीका लगाया गया। 18 से 45 वर्षीय आयु समूह के 113993 को पहली और 82339 लोगों को कोविड की दूसरी वैक्सीन दी गई। जबकि 15 से 18 वर्षीय 265433 किशोरों को कोरोना का पहला डोज दिया गया। राज्य में अब तक कुल 9 करोड़ 23 लाख 36 हजार 392 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका है।

कोरोना संक्रमण : स्वास्थ्यकर्मियों की छुट्टियां रद्द, तत्काल डयूटी पर हाजिर होने का आदेश

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के स्वास्थ्यकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और सभी कर्मचारियों को तत्काल सेवा पर हाजिर होने का आदेश दिया है। आगामी समय में अनिवार्य संजोग को छोड़ छुट्टी नहीं दी जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की यहां जारी विज्ञप्ति के मुताबिक राज्य में फिलहाल कोविड 19 के मरीजों की संख्या में दिन प्रति दिन वृद्धि हो रही है और आगामी समय में रोग संक्रमण बढ़ने की संभावना है। ऐसे में कोविड-19 के मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध हो और स्वास्थ्य सेवा सुचारू रूप से जारी रहे इसके लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी संस्थाओं में सेवारत अधिकारी और कर्मचारी यदि छुट्टी पर हैं तो वे तुरंत अपनी छुट्टी रद्द कर डयूटी पर हाजिर हो जाएं। आगामी समय में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अनिवार्य संजोगों को छोड़ छुट्टी मंजूर नहीं मिलेगी।

कोरोना के केस बढ़ने पर सरकार सक्रिय हुई

रिवरफ्रंट पर का फ्लावर शो-पतंगोत्सव रद्द किया गया

अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर ८ जनवरी से १४ जनवरी तक फ्लावर शो आयोजित होना था

अहमदाबाद, ६ जनवरी।

कोरोना विस्फोट के बीच गुजरात सरकार ने वाइब्रेंट समिट २०२२ स्थगित रखने की घोषणा की है।

अब अहमदाबाद के रिवरफ्रंट पर आयोजित होता फ्लावर शो को भी रद्द किया गया है। अहमदाबाद महानगरपालिका ने फ्लावर शो रद्द करने की घोषणा की है। वाइब्रेंट समिट की वजह से देरी से भी एएमसी ने आखिर में फ्लावर शो रद्द करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही अहमदाबाद में आयोजित हो रहे पतंगोत्सव भी रद्द किया गया है। वाइब्रेंट समिट स्थगित रखने की घोषणा होने पर ही फ्लावर शो रद्द होने की घोषणा की गई है।

अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर ८ जनवरी से १४ जनवरी तक आयोजित होने वाला फ्लावर शो आयोजित होना था, जो रद्द किया गया है। हालांकि, अहमदाबाद में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल भी रद्द करने का निरणय लिया गया है। अहमदाबाद के लिए चौंकाने वाला समाचार है कि, शहर में ४० नेता कोरोना संक्रमित हुए हैं। शहर भाजपा प्रदेश प्रमुख अमित शाह कोरोना संक्रमित हुए हैं। इसके साथ ४० नेता कोरोना पॉजिटिव आये हैं। मंगलवार को यह सभी नेता रिवरफ्रंट स्थित कार्यक्रम में धर्मचार्य आशीर्वाद समारोह में मौजूद थे। समारोह में राज्य के ५०० से ज्यादा साधु संत भी मौजूद रहे थे। जिसकी वजह से संतों में भी डर फैल गया है। भाजपा शहर प्रमुख अमित शाह, महामंत्री भूषण भट्ट, परेश लाखाणी, उपाध्यक्ष दर्शक ठाकर, पूर्व कॉर्पोरेटर अमुल भट्ट कोरोना संक्रमित हुए हैं।

पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने मरीजों के लिए अहमदाबाद के साबरमती रेलवे अस्पताल को स्मार्ट टीवी डोनेट किये

अहमदाबाद , पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन (WRWWO) ने रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए हमेशा निःस्वा र्थ सहायता प्रदान की है। पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन की अध्याक्षा श्रीमती तनुजा कंसल के कुशल मार्गदर्शन में एक और कल्यारणकारी कार्य के क्रम में महिला संगठन ने साबरमती में मंडल रेलवे अस्पताल को टेलीविजन सेट डोनेट किये। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अहमदाबाद मंडल के दौरे के दौरान श्रीमती कंसल ने साबरमती में मंडल रेलवे अस्पताल का दौरा किया और कर्मचारियों से संवाद किया। अस्पताल में इंडोर मरीजों के इलाज के लिए 75 बेड हैं। रोगियों के साथ बातचीत करते हुए श्रीमती कंसल ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और रोगियों को फल वितरित किए। दूरदर्शी सोच के साथ उन्होंने अस्पताल को दो स्मार्ट टीवी दान में दिए। ये टीवी सेट मरीजों के वार्ड में लगाये जायेंगे ताकि इलाजरत मरीजों को मनोरंजन का साधन उपलब्धी हो सके। श्रीमती कंसल ने अस्पताल के कर्मचारियों के साथ भी बातचीत की और कर्मचारियों के सकारात्मक रवैये पर हर्ष व्यरक्त किया। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई की सराहना की और उन्हें ऐसा अच्छा काम करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। ठाकुर ने बताया कि श्रीमती तनुजा कंसल के दूरदर्शी नेतृत्व में पश्चिम रेलवे महिला कल्याण संगठन ने ऐसे कई सराहनीय कल्याणकारी कार्य किए हैं और पश्चिम रेलवे के कर्मचारियों की विविध और असंख्य कल्याण आवश्यकताओं को पूरा किया है। संगठन रक्तदान शिविरों के आयोजन सहित कोविड महामारी के हाल के सबसे कठिन समय के दौरान वित्तीय सहायता और राहत सामग्री, राशन किट, टीकाकरण शिविर स्थापित करने आदि में भी उदार रहा है।

अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र की घटना

शॉपिंग करने जा रहा कपल लिफ्ट टूटने पर अस्पताल में

गड़बड़ी होने पर लिफ्ट पांचवीं मंजिल से ग्राउंड फ्लोर पर टूट गई थी, यह घटना शिवकृपा सोसाइटी में हुई

अहमदाबाद, ६ जनवरी।

वटवा में कपल घर से शॉपिंग करने के लिए निकले थे और ऐसी भयानक घटना हुई कि अस्पताल पहुंच गया।

लिफ्ट में गड़बड़ी होने पर वह सीधे पांचवीं मंजिल से ग्राउंड फ्लोर पर टूट गई थी। यह घटना शिवकृपा सोसाइटी में हुई थी। ४० वर्ष के राकेश राजपूत और उनकी पत्नी सीमा (४०) लिफ्ट में बैठे थे और वह अचानक टूट जाने पर घायल हो गये। पुलिस ने इस घटना की जांच करने पर मालूम हुआ कि समय-समय पर लिफ्ट की रिपेरिंग नहीं की जाती थी। जिसकी वजह से गड़बड़ी होने पर लिफ्ट ऊपर से नीचे टूट गई थी। यह घटना तब हुई कि जबकि कपल शॉपिंग के लिए जा रहा था। पुलिस ने बताया है कि, साक्षी बताते है कि कपल लिफ्ट में बैठा और ग्राउंड फ्लोर के लिए बटन दबाया।

ऐसे में लिफ्ट खराब तरीके से हिलने लगी और अचानक टूटकर ग्राउंड फ्लोर पर पहुंच गई थी। घायल हुए पति-पत्नी को उपचार के लिए एंबुलेंस में एलजी अस्पताल में ले गये। वटवा पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर एचवी सीसरा बताते है कि, इस घटना में प्राथमिक जानकारी है कि कैबल टूट जाने की वजह से यह घटना हुई है। उन्होंने कहा है कि पुलिस शिकायत दर्ज करने के लिए एलजी अस्पताल पहुंची थी। पति-पत्नी अपनी बेटियों के साथ रहती है, जिसमें से एक की उम्र २२ वर्ष है, जबकि दूसरी की उम्र १५ वर्ष है। राकेश राजपूत की अपने ही क्षेत्र में डिस्पोजेबल वस्तुओं की दुकान है। इस घटना मामले में सामाजिक कार्यकर्ता हर्षद पटेल बताते है कि, यह क्षेत्र में इस प्रकार की दूसरी घटना हुई है।

२४ दिसंबर को हुई इस घटना में युवक का उपचार के दौरान मौत हुई है, जिसमें खोखरा में स्थित शरणम-५ अपार्टमेंट में लिफ्ट में दुर्घटना हुई थी। यह फ्लैट का निर्माणकाम पिछले पांच वर्ष से चल रहा है। इस प्रकार की घटनाओं को लेकर लिफ्ट की रिपेरिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने बताया है कि, प्रथम दृष्टि में देखने में यह लगता है कि लिफ्ट की रिपेरिंग समय पर नहीं होती थी।।

आईएमए की बच्चों को स्कूल नहीं भेजने की अभिभावकों से अपील

राजकोट (ईएमएस) शहर में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए आईएमए ने अभिभावकों से अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजने की अपील की है। शहर समेत राज्यभर में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना के कहर के चलते राजकोट जिला कलेक्टर और आईएमए के बीच बैठक हुई। बैठक में आईएमए ने जिला कलेक्टर के साथ कोरोना की स्थिति की समीक्षा की। जिसमें राजकोट में फिलहाल कोरोना पर काबू पाने के लिए जारी कार्यवाही समेत कोरोना टेस्टिंग के संदर्भ में चर्चा की गई। साथ ही कोरोना की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए जिले चिकित्सकों को भी तैयार रहने की हिदायत दी गई। बैठक में ऑक्सीजन की उपलब्धता के बारे में समीक्षा की गई। बैठक के बाद आईएमए के प्रमुख प्रफुल कामाणी ने अभिभावकों से अपील की है कि वे कोरोना संक्रमण की मौजूदा स्थिति को ध्यान रखते हुए अपने बच्चों को स्कूल न भेजें। गौरतलब है कि गुजरात में कोरोना फिर एक बार तेजी से अपने पैर पसार रहा है। राज्य के 8 महानगरों में सबसे ज्यादा खराब स्थिति अहमदाबाद की है, जहां पिछले कई दिनों से एक हजार से अधिक कोरोना के मामले सामने आ रहे हैं। बुधवार को राज्यभर में कोरोना के 3350 नए मामले दर्ज हुए थे, जिसमें 1600 से केस अहमदाबाद में सामने आए थे।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस ने पेश किया एबीएसएलआई सिक्योरप्लस प्लान

। एक गारंटीकृत बचत योजना जो अधिक फ्लेक्सिबिलिटी की पेशकश करती है।

मुंबई, 6 जनवरी, 2022: आदित्य बिड़ला कैपिटल लिमिटेड (एबीसीएल) की जीवन बीमा सहायक कंपनी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस (एबीएसएलआई) ने नए जमाने के बचत हेतु एबीएसएलआई सिक्योरप्लस प्लान के नए वर्जन की घोषणा की। सम्पूर्ण जीवन बीमा कवर और आय लाभ प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, यह प्लान बचत और सुरक्षा को एक योजना में एकीकृत करके पूर्ण वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती है।

एबीएसएलआई सिक्योरप्लस प्लान का उद्देश्य अधिक फ्लेक्सिबिलिटी देना है और ग्राहकों को विभिन्न प्रीमियम भुगतान शर्तों, पॉलिसी शर्तों और पे-आउट अवधियों में से चुनने की अनुमति देना है। यह योजना मृत्यु या परिपक्वता पर पूरी तरह से गारंटीकृत लाभ प्रदान करती है। इसकी न केवल नियमित आय सुविधा अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है, यह ग्राहकों की छोटी से मध्यम अवधि की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है।

गारंटीकृत आय लाभ के अलावा, योजना, पॉलिसीधारकों को अतिरिक्त लॉयल्टी देकर , कुल आय भुगतान को और बढ़ाने की सुविधा देती है, बशर्ते सभी देय प्रीमियम का भुगतान किया गया हो। पॉलिसीधारक कर कानूनों के अनुसार भुगतान किए गए प्रीमियम पर कर लाभ प्राप्त कर पाएंगे।

lkjxkekik dk lV ij gyu u dgk] ^^'kEeh th dk viuk LVkby Fkk vkj ok dHkh fjgly ugh djrs Fk^^

th Vhoh gky gh es viuk lcls çfrf'Br vkj lcls ycs le; rd pyus okyk fj;fyVh 'kks lkjxkekik 2021 ydj vk;k] tks vkt Hkh n'kdks dk lxhrçfe;ks dk fnyk es clrk gA tgk bl 'kks dh tkjnkj 'k#vkr gbZ g] ogh blds VkyVM dVsLVV~l us n'kdks dk [kklk bEçsl dj fn;k gA gkykfd n'kdks dk bl 'kfuokj ,d Li'ky VhV feyus okyh g] tgk e'kgj ,DVsl ,oa Mkl j gyu lkjxkekik es Li'ky tt cudj igpxhA tgk gyu bl 'kke dh egekku gkxh] ogh gj dVsLVV viuk cLV 'kks çLrqr djxkA gkykfd fQYe ^rhljh efty^ ds xkus ^vkt g lhuk tqYQks okyh tkus tgk^ ij ot vkj jktJh dh tcnLr ijQ,el n[kdj gyu e=eX/k gks tk,xhA gkLV vkfnR; ukjk;.k us gyu ls ^vkt g lhuk tqYQks okyh tkus tgk^ xkus es mudk vkbd,fud yqd vkj Mkl ijQ,el ds ckjs es Hkh iNk vkj lHkh dks lqçkbt nsrs g,] gyu us Loxhz; 'kEeh diwj ds ckjs es ,d fnypLi fdLlk lquk;k] tgk mudk ifr lyhe [kku Hkh ,d ohfM;ks es utj vk,A

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/95